दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 244 | ग्वालियर गुरुवार 10 सितम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

मध्यप्रदेश के हितग्राहियों से प्रधानमंत्री का आत्मीय संवाद

स्ट्रीट वेंडर्स की पीठ थपथपाई

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि मध्यप्रदेश ने स्ट्रीट वेंडर्स के कल्याण के लिए बहुत कम समय में बेहतरीन कार्य कर दिखाया है। पीएम स्वनिधि योजना में हुए इस कार्य से अन्य राज्य प्रेरणा ले सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस अवसर पर घोषणा की कि स्ट्रीट वेंडर्स के कल्याण की एक अन्य योजना पर भी विचार किया जा रहा है। जिसकी शुरुआत शीघ्र ही की जाएगी। उन्होंने लघु व्यवासियों से डिजिटल लेन-देन को अपनाकर अपने कारोबार को कई गुना बढ़ाने का आव्हान भी किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश की उपलब्धि और लॉकडाउन के दौरान अच्छा कार्य करने के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान को बधाई दी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा की मध्यप्रदेश में पीएम स्वनिधि योजना की सफलता श्रम की ताकत का परिचायक है जिसे मैं आदरपूर्वक नमन करता हूँ। मध्यप्रदेश के एक लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स को लाभ सुनिश्चित कर पहचान-पत्र और अन्य लाभ देने का कार्य प्रशंसनीय है। महामारी के समय गरीबों को इस योजना में मिली यह राहत वरदान सिद्ध हुई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वर्चुअल संवाद के बाद योजना में पांच लाख हितग्राही को लाभान्वित करने का लक्ष्य नगरीय विकास एवं आवास विभाग को दिया है।स्वनिधि संवाद के प्रारंभ में प्रधानमंत्री श्री मोदी का मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वागत किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सबसे पहले इन्दौर जिले के सांवेर के पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राही छगन लाल वर्मा से बात की। छगनलाल झाड़ू बेचने का कार्य करते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने छगनलाल को झाड़ू के निर्माण में लगने वाली सामग्री, प्राप्त हो रहे लाभ के बारे में चर्चा की। हितग्राही छगनलाल ने बताया कि उन्हें झाड़ू बनाने के लिए किसानों से खजूर के पत्ते और झाड़ू निर्माण में आवश्यक लोहे का तार, नायलोन और पाइप आदि बाजार से खरीदना होता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने छगनलाल को सुझाव दिया कि वे पुराने झाड़ू के पाइप के अच्छी स्थिति में होने से उसे नए झाड़ू में प्रयुक्त कर अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने छगनलाल से अन्य योजनाओं से मिल रहे लाभ की भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बातचीत के क्रम में ग्वालियर की श्रीमती अर्चना शर्मा से भी बातचीत की। पानी पुरी टिक्की का ठेला लगाने वाले शर्मा परिवार ने बताया कि उन्हें दस हजार रुपये का ऋण बिना परेशानी से प्राप्त हो गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने श्रीमती शर्मा से प्रश्न पूछा कि उन्हें योजना की जानकारी कैसे मिली, उत्तर में श्रीमती शर्मा ने कहा कि ऐसा ही छोटा-मोटा कार्य व्यवसाय करने वाले लोगों से उन्हें पीएम स्वनिधि योजना की जानकारी मिली। अस्वस्थ चल रहे श्रीमती अर्चना के पति राजेन्द्र शर्मा से भी प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बातचीत की और उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आपने बहादुरी के साथ अपने छोटे से कारोबार को संभाला है जो समाज को प्रेरित करने वाला कार्य है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रायसेन जिले के सांची में जैविक सब्जियों के विक्रय से जुड़े पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राही डालचंद कुशवाह से भी चर्चा की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने श्री कुशवाह को कहा कि आपकी आयु कम है, पर हिम्मत बहुत है। आप अपने कारोबार को बड़े स्वरूप में चलाईये। आपको पूरी सहायता प्राप्त होगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने श्री कुशवाह द्वारा छोटी सी दुकान पर क्यूआर कोड के इस्तेमाल की खुली प्रशंसा करते हुए कहा कि अनेक बड़े व्यापारी भी इतने आत्मविश्वास से कारोबार नहीं कर पाते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इन लाभार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं प्रदान कीं।

प्रधानमंत्री ने दिया आत्मनिर्भरता का मंत्र कोरोना काल में मिली जनता को राहत

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का अभिवादन करते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री जो पुरुषार्थ में कण-कण और जीवन का क्षण-क्षण लगाने वाले वैश्विक नेता हैं। उन्होंने कोरोना संकट के समय राह निकालने का कार्य किया। देश की 130 करोड़ जनता के लिए 1 लाख 75 हजार करोड़ का गरीब कल्याण राहत पैकेज प्रदान कर, गरीब की थाली, खाली न रहने देने के संकल्प के साथ 80 करोड़ जनता तक अनाज हुंचाया गया। उन्होंने मध्यप्रदेश के 24 जिले भी चुने जहां लोग अधिक जरूरतमंद थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मनरेगा से रोजगार और आत्मनिर्भरता के मंत्र से आमजन को राहत मिली। लॉकडाउन की अवधि में अपनी जीविका गवां चुके लोगों को प्रत्यक्ष सहायता मिली है। बाजार से महंगी ब्याज दर पर कर्ज लेने वाले लोग पठानी ब्याज चुकाते-चुकाते त्रस्त हो जाते थे। उनका कुछ बच ही नहीं पाता था। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जून 2020 से प्रारंभ पीएम स्वनिधि योजना में भारत सरकार द्वारा 7 प्रतिशत ब्याज के प्रावधान के साथ कार्यशील पूंजी उपलब्ध करवाती है। इससे यह योजना छोटे-छोटे स्ट्रीट वेंडर्स के लिए एक वरदान के रूप में लाभान्वित करने वाली सिद्ध हुई है। मध्यप्रदेश में सिर्फतीन सप्ताह में 8 लाख 78 लाख पंजीयन पोर्टल के माध्यम से कर लिए गए। भौतिक सत्यापन के बाद साढ़े चार लाख पात्र स्ट्रीट वेंडर्स में से चार लाख को परिचय-पत्र और वेंडर प्रमाण- पत्र भी जारी कर दिए गए। बैंकों के समक्ष 2.55 लाख आवेदन पेश हो गए हैं, जिनमें से 1.56 लाख आवेदनों में राशि की मंजूरी दी जा चुकी है। हितग्राहियों के खातों में पैसा पहुंच रहा है।

अब बड़े लक्ष्य की चुनौती स्वीकार करें : मुख्यमंत्री शिवराज सिंह

वर्चुअल कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अधिकारियों से कहा कि पीएम स्वनिधि योजना में पांच लाख स्ट्रीट वेंडर्स हितग्राही लाभान्वित करने का लक्ष्य पूर्ण किया जाए। योजना में प्रति हितग्राही 10 हजार रूपये की कार्यशील पूंजी मिलने से छोटे व्यवसायियों का उन्नयन हो जाता है। मध्यप्रदेश में स्ट्रीट वेंडर्स को चिन्हित करने का कार्य बड़े पैमाने पर हुआ है। जिन आवेदको को अभी ऋण प्राप्त नहीं हुआ है, उन्हें लाभान्वित करने की कार्रवाई तेज की जाए। बड़े लक्ष्य की चुनौती को स्वीकार करते हुए अधिक से अधिक रेहड़ी वालों को योजना का लाभ दिलवाया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस योजना के शानदार क्रियान्वयन की प्रशंसा की है। इस नाते मध्यप्रदेश सरकार का यह प्रयास रहेगा कि यह योजना सफलता के और भी नए आयाम प्राप्त करे।

प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री चौहान को सुनाई ग्वालियर की अर्चना ने अपनी आत्मनिर्भरता की दास्तां

ग्वालियर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्व-निधि संवाद कार्यक्रम में ग्वालियर की पथ विक्रेता (स्ट्रीट वेंडर) श्रीमती अर्चना शर्मा से वर्चुअल चर्चा की। भोपाल से मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भी श्रीमती अर्चना शर्मा के आत्मनिर्भर बनने की दास्तां वर्चुअल तरीके से सुनीं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अर्चना की लगन और मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि आपने बहादुरी के साथ मुश्किल समय में परिवार को संभालकर मिसाल कायम की है। आप जैसी महिलाओं से पूरे समाज को प्रेरणा मिलती है। चार शहर का नाका ग्वालियर निवासी श्रीमती अर्चना ने प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना से मिली आर्थिक मदद से टिक्की-चाट का ठेला लगाना शुरू किया है। उनके पति बीमार रहते हैं और परिवार के भरण-पोषण की जिम्मेदारी अर्चना के कंधों पर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने श्रीमती अर्चना शर्मा से पूछा कि टिक्की-चाट का ठेला लगाने के लिये पूँजी कहाँ से आई।

लद्दाख में फिर भारत-चीन सेना आमने-सामने

हर हरकत पर भारतीय जवानों की नजर

लद्दाख में पैंगॉन्ग सो लेक के दक्षिणी इलाके में भारतीय जवानों से मात खाने बाद चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी अब उत्तरी इलाके में अपने सैनिक बढ़ा रही है। यहां नया निर्माण भी किया जा रहा है और ट्रांसपोर्टेशन के साधन जुटाए जा रहे हैं, लेकिन भारतीय सैनिक इस जगहसे इतने करीब हैं कि वे चीन की हर हरकत पर नजर रख रहे हैं। इस बीच, भारत और चीन की सेना के बीच बुधवार को 4 घंटे तक ब्रिगेड कमांडर लेवल की बातचीत हुई। सहमति बनी है कि दोनों तरफ से कॉर्प्स कमांडर चर्चा करेंगे। पैंगॉन्ग का उत्तरी इलाका आठ अलग-अलग फिंगर एरिया में बंटा है। भारत का दावा है कि लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) फिंगर आठ से शुरू होती है और फिंगर चार तक जाती है। चीनी सेना एलएसी को नहीं मान रही। चीन के सैनिक फिंगर चार के पास डटे हुए हैं। वे फिंगर पांच से आठ के बीच निर्माण कर रहे हैं।दक्षिणी इलाके की दो अहम चोटियों पर भारतीय सैनिक डटे 7 सितंबर को दक्षिणी इलाके में चीनी सैनिकों ने भारतीय पोस्ट की तरफ बढ़ने की कोशिश की थी और चेतावनी के तौर पर फायरिंग की थी। यहां पर भारत के सैनिकों ने उन्हें रोक दिया था। इस घटना की तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें चीन के सैनिक भाला, रॉड और धारदार हथियार लिए नजर आए। भारत ने कहा था कि जब चीनी सैनिकों को उन्होंने अपनी पोस्ट की तरफ आने से रोका तो उन्होंने हवाई फायर भी किए थे। जबकि, इससे पहले चीन कह रहा था कि फायरिंग भारतीय जवानों ने की है। भारतीय जवान इस इलाके की दो अहम चोटियों पर डटे हैं और चीन कई बार भारत को इस पोजिशन से हटाने की कोशिश कर चुका है। भारतीय और चीनी सैनिक दो हफ्तों में दो बार आमने-सामने आए हैं। 31 अगस्त की दोपहर भी चीन सेना ने भारतीय इलाके पर कब्जे की कोशिश की थी, जिसे भारतीय सेना ने रोका था। 29-30 अगस्त की रात चीन की साजिशों को नाकाम करते हुए भारतीय सेना ने पैंगॉन्ग झील के दक्षिणी हिस्से में मौजूद अहम चोटियों, ब्लैक टॉप और हेलमेट टॉप पर कब्जा कर लिया था। भारत और चीन के बीच इस साल जून से ही तनाव जारी है। गलवान घाटी में 15 जून की रात भारत और चीन के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी।

कोविड-19: संक्रमण

फिर बड़ी संख्या में मिले कोरोना मरीज, संक्रमण 44 लाख से अधिक लोगों तक पहुंचा

नई दिल्ली। कोरोनावायरस संक्रमण के नित नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। मंगलवार को देश में एक लाख से अधिक नए कोरोना संक्रमित मिले थे, बुधवार को भी संख्या इसी के आसपास रही। रात 10 बजे तक ही 86,087 नए कोरोनावायरस संक्रमित मरीज देश में मिल चुके थे। इसमें उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, झारखंड, हिमाचल प्रदेश जैसे अनेक राज्यों की संख्या शामिल नहीं थी, क्योंकि उनके आंकड़े देर रात अपडेट होते हैं। इस प्रकार यह अनुमान है कि बुधवार को भी 90 हजार से अधिक नए संक्रमित मरीज मिल सकते हैं।

संक्रमण के मामले में दुनिया में नित नए कीर्तिमान बना रहे भारत में इस समय 44 लाख 33 हजार 392 लोग संक्रमित हो चुके हैं। जिनमें से 34,49,308 ठीक हो चुके हैं किंतु 74,610 लोगों की मौत हो चुकी है। बीते एक दशक में वायरस संक्रमण से 6 माह के भीतर होने वाली यह सबसे ज्यादा मौतें हैं। इस पायदान पर कोरोनावायरस स्वाइन फ्लू और सार्स जैसी बीमारियों से ज्यादा खतरनाक साबित हुआ है। भारत में महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्य कोरोना के केंद्र बने हुए हैं। बुधवार को महाराष्ट्र में 20,131 नए संक्रमित मिलने के साथ एक्टिव मामलों की संख्या 2।43 लाख से ऊपर पहुंच गई। संक्रमण के मामले भी 10 लाख के करीब पहुंचने वाले हैं। महाराष्ट्र में 27,407 लोगों की मौत कोरोना संक्रमण के कारण हो चुकी है। आंध्रप्रदेश, तमिलनाड, कर्नाटक, उत्तरप्रदेश और दिल्ली जैसे राज्य में भी कोरोना का संक्रमण भयानक स्थिति में है। बुधवार को आंध्र प्रदेश में 10418, तमिलनाडु में 5584, कर्नाटक में 9540, उत्तरप्रदेश में 6558, दिल्ली में 4039 और पश्चिम बंगाल में 3107 नए संक्रमित मिले। चिंताजनक स्थिति ओडिशा और केरल की भी है जहां क्रमशः 3748 और 3402 नए संक्रमित मरीज मिले हैं। इन छोटे - बड़े राज्यों के अलावा देश के अनेक राज्य ऐसे हैं जहां प्रतिदिन 2000 से अधिक कोरोना संक्रमित मिल रहे हैं। संक्रमण की यह रफ्तार देश की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए चुनौती बनकर सामने आई है। देश का स्वास्थ्य मंत्रालय लोगों को आश्वस्त कर रहा है कि चिंता का विषय नहीं है। हालांकि जो प्रतिदिन होने वाली मौत का आंकड़ा है वह अब आने वाले कठिन दिनों की तरफ संकेत करने लगा है।

कुख्यात अपराधी मुख्तार मलिक का अवैध आशियान जमींदोज किया

भोपाल। कुख्यात अपराधी मुख्तार मलिक के खिलाफ भोपाल प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। नगर निगम और जिला प्रशासन ने भारी पुलिस बल के साथ उसके आशियाने को जमींदोज कर दिया। आदतन अपराधिक मुख्तार मलिक करीब तीन दशक से राजधानी भोपाल में अपराध का पर्याय बना हुआ था। उस पर दर्जनों मामले दर्ज है। इनमें जेल में मारपीट हत्या, हत्या का प्रयास, अड़ीबाजी जैसे गंभीर मामले हैं। जानकारी के अनुसार भोपाल में मलिक के कई मकान है। प्रशासन ने उसके सबसे पुराना मकान पर कार्रवाई की है। जिला प्रशासन ने मकान को अवैध बताते हुए जमींदोज कर दिया है। तहसीलदार देवेंद्र कुमार ने कहा कि मुख्तार मलिक आदतन अपराधी है। प्रशासन का माफियाओं के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है। इसी मुहिम में मुख्तार मलिक के अवैध ठिकानों को तोड़ने की कार्रवाई की गई है।

महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख के ऑफिस में आए धमकी भरे फोन कॉल

नागपुर। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख के नागपुर स्थित ऑफिस में धमकी भरे कॉल आए। महाराष्ट्र सरकार के गृह मंत्रालय के मुताबिक, यह धमकी भरे फोन कॉल फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत को लेकर दिए गए बयान के कारण आए हैं। आपको बता दें कि इससे पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी चीफ शरद पवार और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरो को भी धमकी भरे फोन कॉल आ चुके हैं। आपको बता दें कि इससे पहले उद्धव ठाकरे के निजी आवास को उड़ा देने की धमकी की पुलिस द्वारा जांच किए जाने के बीच महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख के नागपुर कार्यालय में फोन कर उन्हें और राकांपा प्रमुख शरद पवार को धमकी दी गई थी। प्रदेश के एक मंत्री ने यह जानकारी दी थी।

योगी सरकार बदलेगी अयोध्या एयरपोर्ट का नाम

नई दिल्ली । अयोध्या एयरपोर्ट का नाम मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के नाम पर किया जाएगा। इसके साथ ही एयरपोर्ट को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया जाएगा। योगी सरकार ने एयरपोर्ट का नाम बदलने और दायरा बढ़ाने की कवायद शुरू कर दी है। एयरपोर्ट का निर्माण दिसंबर 2021 तक पूरा करने की योजना है। राम मंदिर बनने के बाद यह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय श्रद्धालुओं पाठकों की संख्या में भारी वृद्धि होगी। उसके मद्देनजर एयरपोर्ट के विस्तार की योजना बनाई गई है। एयरपोर्ट को फिलहाल अंतरराष्ट्रीय स्तर का दर्जा नहीं मिला है, लेकिन राज्य सरकार अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत तैयारी करवा रही है, ताकि एयरपोर्ट शुरू होने से पहले ही अंतराष्ट्रीय स्तर का दर्जा मिल सके। गौरतलब है कि अयोध्या स्थित हवाई पट्टी को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का आकार देने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है।

अभिनेत्री रिया को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत केस में ड्रग ऐंगल सामने आने के बादनारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) गिरफ्तार की गई अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को कोर्ट ने रिया को 14 दिन की न्?यायिक हिरासत में भेज दिया है। रिया के वकील सतीश मानशि?ंदे ने रिया के लिए जमानत की अर्जी दी थी, जि?से कोर्ट ने खारिज कर दिया है। न्?यायिक प्रक्रिया के तहत पहले रिया की ज्?यूडिशि?यल कस्?टडी पर कोर्ट ने फैसला सुनाया। इसमें रिया को 14 दिनों तक न्?यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया गया। जबकि रिया के वकील सतीश मानशि?ंदे की ओर से दाखिल जमानत की याचिका पर सुनवाई जारी रही। बाद में कोर्ट जमानत की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट के सामने एनसीबी ने रिया की जमानत का विरोध किया। अब रिया रिया घर नहीं जाएंगी। उन्?हें अभी जेल भी नहीं भेजा जाएगा क्?योंकि सूर्यास्?त के बाद कैदियों की गिनती और उन्?हें बैरक में भेजे जाने के बाद जेल में एंट्री बंद हो जाती है। ऐसे में रिया को एनसीबी दफ्तर में ही रात भर रुकना होगा जहां से सुबह उन्?हें जेल भेजा जाएगा। रिया की जमानत अर्जी खारिज होने के बाद अब रिया के वकील सतीश मानशि?ंदे बुधवार को सेशंस कोर्ट में अपील कर सकते हैं।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

:हाईकोर्ट ने बीएमसी से जवाब मांगा; कार्रवाई को गैर-जरूरी बताने वाले शरद पवार उद्धव से मिलने पहुंचे, कहा- मुंबई में अवैध निर्माण नई बात नहीं

कंगना के मुंबई दफ्तर में 2 घंटे तोड़फोड़

मुंबई। कंगना रानोट के हिमाचल से मुंबई पहुंचने से पहले बीएमसी ने उनके मुंबई ऑफिस में अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई की। बीएमसी ने दफ्तर में दो घंटे तोड़फोड़ की। कंगना ने कहा कि उन्होंने मुंबई को पीओके कहकर कुछ गलत नहीं किया। वो अपना दफ्तर तोड़े जाने के खिलाफ हाईकोर्ट गईं, जिसके बाद अदालत ने कार्रवाई पर रोक लगाते हुए बीएमसी से जवाब मांगा। कंगना का दफ्तर मुंबई के बांद्रा में पाली हिल इलाके में है। कंगना ने 48 करोड़ रुपए खर्च कर बनवाया है। यहां उनके प्रोडक्शन हाउस मणिकर्णिका फिल्म्स का ऑफिस है। शाम होते-होते सियासी बयान भी आने लगे। दिन में राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि कार्रवाई गैर-जरूरी थी। फिर शाम को भी

उन्होंने इस मुद्दे पर बयान दिया कि मुंबई में अवैध निर्माण नई बात नहीं है। अगर बीएमसी की कार्रवाई नियमों के मुताबिक है तो ये सही है। इस बयान के कुछ ही देर बाद पवार महाराष्ट्र के सीएम उद्धव से मिलने पहुंचे। उधर, कंगना को %नॉटी% बताने वाले शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा- मेरा मामला अब खत्म हो गया है। कंगना का मुंबई में स्वागत है। बीएमसी ने उनके मुंबई स्थित ऑफिस में अवैध निर्माण को लेकर 24 घंटे में दूसरा नोटिस भेजा था। फिर बीएमसी की एक टीम जेसीबी मशीन, क्रेन और हथौड़े लेकर ऑफिस पहुंच गई और कंस्ट्रक्शन तोड़ा। कंगना के वकील रिजवान सिद्दीकी ने कहा कि बीएमसी ने जो नोटिस दिया, वो अवैध था।

आज मेरा घर टूटा है, कल तेरा घमंड टूटेगा

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत के बंगले और ऑफिस में किए गए कथित निर्माण को बीएमसी की टीम ने तोड़ दिया। कंगना ने बीएमसी की कार्यवाही को कोर्ट में चुनौती दी, जिसमें उन्हें राहत मिली है। मुंबई एयरपोर्ट पर हंगामें के बीच कंगना को उनके खार स्थित उनके घर पहुंचाया गया। कंगना ने इस मामले को लेकर लगातार ट्वीट किए। उनके निर्माण को तोड़े जाने पर कंगना ने सीएम उद्धव ठाकरे को निशाना बनाते हुए ट्वीट किया कि आज मेरा घर टूटा है, कल तेरा घमंड टूटेगा। इस बीच, शिवसेना के सहयोगी दल कांग्रेस और एनसीपी ने भी मामले को लेकर सरकार पर सवाल उठाए हैं।

स्पेशल डीजी एसएएफ विजय यादव ने सीएनजी पेट्रोल पंप का शुभारंभ किया, हर्बल पार्क का किया निरीक्षण

ग्वालियर। विषेष पुलिस महानिदेषक, विसबल, विजय यादव पुलिस मुख्यालय भोपाल कल आकस्मिक निरीक्षण एवं भ्रमण पर ग्वालियर पधारे थे। जिसके अंतर्गत इनके द्वारा 13वीं वाहिनी विसबल, ग्वालियर की कल्याणकारी गतिविधियों के संचालन एवं नवनिर्माण कार्यां का अवलोकन किया गया। इसी क्रम मे आज दिनांक 09/09/2020 को वाहिनी के पुलिस वैलफेयर सोसायटी पेट्रोल पम्प पर स्थापित सी0एन0जी0 स्टेशन का शुभारंभ विजय यादव, विशेष पुलिस महानिदेशक, विसबल, पुलिस मुख्यालय भोपाल म0प्र0 की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर श्री संतोष कुमार सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, विसबल, ग्वालियर रेंज ग्वालियर, विनीत खन्ना, पुलिस उप महानिरीक्षक, विसबल, ग्वालियर रेंज ग्वालियर, सेनानी आलोक कुमार सिंह, सेनानी 02री वाहिनी, असित यादव, उप सेनानी महेन्द्र कुमार छारी, एडज्युटेंट अजीत कुमार शाक्य, सहायक सेनानी महिपाल सिंह यादव, श्री मुनेन्द्र सिंह, सामग्री अध्यक्ष 13वीं वाहिनी विसबल, ग्वालियर आदि अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान सेनानी श्री आलोक कुमार सिंह द्वारा विशेष पुलिस महानिदेशक को बताया गया कि 13वीं वाहिनी के पेट्रोल पम्प से होने वाली पेट्रोल की बिक्री में बी0पी0सी0एल0 ग्वालियर के सभी पेट्रोल पम्पों में प्रथम स्थान पर है। इसे देखते हुए श्री विजय यादव, विशेष पुलिस महानिदेशक, विसबल, पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा पेट्रोल पम्प संचालन की सराहना की तथा उपस्थिति बी0पी0सी0एल0 ग्वालियर के क्षेत्रीय अधिकारी श्री सौरभ जैन, सैल्स मैनेजर श्री षशांक, सीएनजी अवंतिका गैस कम्पनी के श्री पीयूष से इसे विस्तार देने के लिए कहा गया, जिससे यह न केवल ग्वालियर का बल्कि मध्य प्रदेष का आदर्ष पेट्रोल पम्प बनाया जा सके। तदोपरांत विषेष पुलिस महानिदेषक, विसबल, पुलिस मुख्यालय भोपाल म0प्र0 के वाहिनी परिसर में आगमन पर सुसज्जित गार्ड द्वारा सलामी दी गई। इसके बाद वाहिनी परिसर में बैडमिंटन कोर्ट, कबड्डी कोर्ट एवं बास्केट बॉल कोर्ट हेतु चयनित जगह का भ्रमण किया गया। वाहिनी में वनौषधीय से परिचय एवं स्वास्थ्य लाभ हेतु नवनिर्मित हर्बल मैडीसिन पार्क का भ्रमण किया गया तथा पार्क में लगाये गये औषधीय पौधों के बारे में जानकारी ली। इसमें यह उल्लेखनीय है कि पार्क में 48 प्रकार की औषधीयां रोपित की गई है जो भविष्य में वाहिनी के अधिकारी/कर्मचारी व उनके परिवार जनों के उपचार हेतु उपयोग में लायी जावेगी। इसके उपरांत बटालियन के पीटीएस परिसर में निर्मित छात्रावास में बनाये गये क्वारेन्टाईन वार्ड का भी भ्रमण किया गया। वाहिनी के सेनानी कार्यालय में उपस्थित होकर कार्यालयीन कार्य का जायजा लिया तथा अन्त में वाहिनी की नवनिर्मित आवासीय परिसर का भ्रमण किया गया है।

कोरोना काल मे पत्रकारो से ली जाने वाली बीमा राशि शून्य की जाएं

ग्वालियर। ग्वालियर प्रेस क्लब ने प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मांग करते हुए कहा की कोरोना काल मे प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े पत्रकार आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहे है कई पत्रकार साथियो को मीडिया संस्थानो से बाहर कर दिया गया है इस स्थित मे पत्रकारो की आर्थिक स्थित ठीक नही है । जनसंपर्क द्वारा हर वर्ष की भांति इस बार भी पत्रकारो का बीमा किया जा रहा है । इस बार पत्रकारो से बीमा राशि अधिक मांगी जा रही है । जबकि कोरोना काल मे पत्रकार आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे है । ग्वालियर प्रेस क्लब प्रदेश सरकार के मुखिया शिवराज सिंह चौहान से पत्रकारो से ली जाने वाली राशि शून्य किए जाने की मांग

ग्वालियर प्रेस क्लब ने मुख्यमंत्री से की मांग

करता है । इसको लेकर ग्वालियर प्रेस क्लब का प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री की ग्वालियर प्रस्तावित यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री से मिलेगा । बीमा राशि शून्य करने की मांग करने वालो मे ग्वालियर प्रेस क्लब के अध्यक्ष राजेश शर्मा, सचिव सुरेश शर्मा,वरिष्ठ पत्रकार राकेश अचल प्रदीप तोमर, गुरुशरण सिंह आलूवालिया, सुरेंद्र माथुर, विनय अग्रवाल, जोगेंद्र सैन, अजय मिश्रा, रामकिशन कटारे,अशोक पाल, राज दुबे, सुनील पाठक, विनोद शर्मा, नासिर गौरी, जावेद खान, दिनेश राव,राजीव अग्रवाल, हरीशचन्द्रा, संजय त्रिपाठी, प्रदीप शास्त्री, गौरव शर्मा , मनीष शर्मा, अभिषेक शर्मा, संतोष पारासर, रवि शेखर, मचंन सिंह वेश्य, गिर्राज त्रिवेदी, विष्णु अग्रवाल, छोटू जयसवाल, मुकेश बाथम, सतीश शाक्यवार, एकात्मता शर्मा, मीना शर्मा, उपेंद्र तोमर आदि शामिल है ।

युवा साथियों का सोचना,असली धन तो वन हैं- हिरदेश यादव

खनियाधाना-पिछोर। पिछोर,खनियाधाना जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम कुंमहर्रा में हिरदेश यादव के खेत पर किया गया बृक्षारोपण। युवा साथियों का सोचना एवं कहना रहा कि किस धन की ओर भाग रहे हैं हमारा असली धन तो ÷वन÷ है यदि इस प्रकार से पर्यावरण का पतन हुआ तो हम अपने जीवन को चिरायु कहने में असमर्थ रहेंगे। मैं कोई नेता नहीं जो लंबे चौड़े भाषण करता रहूं मैं मेरे ग्राम की जिम्मेदारी लेता हूं कि मेरा ग्राम जल्द ही आदर्श ग्राम चुना जाएगा। हमारे सहयोगी भाई साहब अमर सिंह यादव हिरदेश यादव अरुण यादव पप्पन यादव सोनू जाटव अनुभव यादव एवं समस्त ग्रामवासी ग्रामवासी कुंमहर्रा हम सब मानव जाति वृद्धि के साथ-साथ वृक्षारोपण वृद्धि भी करेंगे

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ तहसील इकाई अम्बाह द्वारा कदम्ब के पौधों का किया गया रोपण

रिपोर्टर राधा तोमर अम्बाह...

अम्बाह...आज डी.वी.शर्मा एस.डी.ओ. के मुख्य आतिथ्य में कार्यालय सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखंड अम्बाह जिला मुरैना के प्रागंण में किया गया पौधो के देखभाल की जिम्मेदारी श्री महेश वाल्मीकि ने ली पौधारोपण कार्यक्रम में मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के तहसील अध्यक्ष नीलेश शर्मा ने कहा की हमें कोरोना जैसी वैश्विक महामहारी को भविष्य में आने से रोकना है तो प्राकृतिक जीवन शली को अपने दैनिक जीवन में अपनाना होगा अधिक से अधिक बृक्ष लगाने होगे अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बडाने के लिये नियमित व्यायाम करना होगा जब हम पौधो लगाते हैं तो मिट्टी खोदते है उस पौधे को पानी पिलाते है जिससे हमारा उस पौधे से अपने बच्चों जैसा प्रेम हो जाता है जिससे हमारे मन में पोजीटिव ऐनर्जी का संचार होता है और हम अपना ऑफिस वर्क भी पूरे मन और मेहनत से कर पायेंगे मुझे यह बताते हुये अत्यंत प्रसन्नता हो रही है की हमारे पी.एच.ई.विभाग के कर्मचारी अत्यंत ऊर्जा से भरे हुये हैं सभी लोग शुबह 7 बजे पौधारोपण कार्यक्रम में उपस्थित है आप सभी से आग्रह है आप इसी प्रकार मेहनत करे की हमारी अम्बाह तहसील में कोई भी व्यक्ति और पेड पौधा प्यासा ना रहे पौधारोपण कार्यक्रम में संजय शर्मा जिला अध्यक्ष , शिवचरण शर्मा जिला उपाध्यक्ष नीलेश शर्मा तहसील अध्यक्ष डी.एस.चौहान व्लाक अध्यक्ष

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ केशव सिंह तोमर तहसील अध्यक्ष लघु वेतन कर्मचारी संघ

भगवती शर्मा , महावीर सिंह , मुकेश छारी , रामरतन शर्मा , दिनेश पाराशर, कृष्ण शर्मा, महेश कुमार , रामकेश गुर्जर , रूपकिशोर व्यास, लाखन शर्मा

कर्मचारी साथी उपस्थित थे

पौधरोपण कार्यक्रम में फावड़ा, खुरपी को सेनेटाइज किया और सोसल डिस्टेंस का पालन किया

जब हर कोई साक्षर होगा तभी समाज, देश तरक्की करेगा-यशी चन्द्रा

शिक्षाः शक्तिशाली हथियार

(सुरजीत राजावत)

ग्वालियर। समाज को साक्षर बनाने के लिए सभी को करनी होगी कोशिश,सही मायने में निर्माण तभी संभव होगा विश्व साक्षरता दिवस पर स्वयंसेवक बोले शिक्षा ही मनुष्य का पहला और महत्वपूर्ण अधिकार है।के आर जी महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओं का समूह अपना कुछ समय निकाल कर झोपड़ पट्टी में रह रहे बच्चों को शिक्षा देने का कार्य कर रही है।इसी के साथ यशी चंद्रा ने बताया कि हर कोई साक्षर होगा तभी समाज,देश तरक्की करेगा, हमें खुद साक्षर होने के साथ ही अन्य लोगों को भी शिक्षित करने की कोशिश करनी चाहिए।वहीं रितिका का कहना है कि वह किस प्रकार उन के बीच कुछ समय निकाल कर उन्हें पढ़ाने कार्य कर रही है।उन की साथी यशी उन बच्चों के लिए कपड़े और स्टेशनर उपलब्ध कराती हैं । इसी के साथ साथ पूनम धाकड़ कहती है कि शिक्षा के साथ साथ स्वयं की रक्षा करने के गुण आना भी आवश्यक है इसलिए वह बच्चों को आत्मरक्षा के लिए प्रेरित करती है और उन्हें आत्मरक्षा के गुण सिखाती है । इसी क्रम में जब पूनम पाल से बात करने पर वह बताती है कि किस तरह उनका समूह शिक्षा के अलावा उन बच्चों के लिए कुछ न कुछ नया करने का प्रयास निरंतर करता रहता है।

तेज स्पीड में आ रही जीतने वाली पीछे से टक्कर बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

रिपोर्टर खेरागढ़-: राजकुमार राजपूत

थाना खेरागढ़ के सैयां तिराहे पर तेज स्पीड में आ रही जीप ने बाइक

सवार एडवोकेट सोरन सिंह की बाइक में पीछे से टक्कर मार दी बाइक सवार एडवोकेट सोरन सिंह गिरते ही गंभीर रूप से घायल हो गए वहां मौजूद लोगों ने बताया कि सोरन सिंह एडवोकेट निवासी खेरागढ़ तहसील से अपने घर जा रहे थे तभी तेज स्पीड में आ रही P83W6321 जीप ने पीछे से टक्कर मार दी टक्कर इतनी भयंकर थी बाइक गिरते ही एडवोकेट सोरन सिंह गंभीर रूप घायल हो गये तभी थाना प्रभारी अवधेश कुमार अवस्थी मय फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और घायल को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेरागढ़ भेज दिया

दुर्गापुर में भी मनाया गया पुलिस दिवस

ब्यूरो चीफ अमन राय

आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट मैं पुलिस दिवस सादगी से मनाया गया. वही दुर्गापुर सिटी सेंटर स्थित सृजोनी सभागार में भी पुलिस दिवस मनाया गया. जाहा मुख्य रूप से उपस्थित थे आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के डीसीपी ईस्ट अभिषेक गुप्ता, महकमा शासक अनिर्बान कोलें, दुर्गापुर के मेयर दिलीप अगस्ती , एसीपी, सीआई, वीडियो, दुर्गापुर चेंबर ऑफ कॉमर्स, विभिन्न थाना के थाना प्रभारी एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे. कार्यक्रम की शुरुआत सभी अतिथियों को सम्मानित कर किया गया. वही ईस्ट जॉन के विभिन्न थाना के अधिकारियों एवं सिविक जवानों को कोरोना योद्धा के रूप में सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में सभी ने मार्क्स एवं सोशल डिस्टेंसिंग का खास ख्याल रखा गया था. आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के डीसीपी ईस्ट ने अपने वक्तव्य ने बताया कि पुलिस 99त्न काम सही करती है लेकिन अगर कहीं कोई एक काम गलत हो जाए तो लोग पुलिस को गलत बोलने लगते हैं. लेकिन पुलिस कितनी परिश्रम से 24 घंटे अपनी ड्यूटी पर तत्पर रहती है. लोगों को कोई समस्या ना हो इस पर ध्यान रखती है. पुलिस बुजुर्ग एवं असहाय लोगों को राशन दवाई एवं जरूरत के सामान भी मुहैया करवा रही है. पुलिस लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न तरह से प्रयास जारी रखी है. वही महकमा शासक अनिर्बन कोलें ने भी बताया कि पुलिस जिस तरह लोगों की सहायता को तत्पर है मैं सभी पुलिस अधिकारियों को धन्यवाद देना चाहता हूं. वहीं दूसरी ओर दुर्गापुर के महिला पुलिस स्टेशन का भी उद्घाटन राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा किया.

अपर नगर आयुक्त केवी सिंह द्वारा मृतक सिद्धांत को चोर कहने पर वाल्मीकि महापंचायत ने आगरा नगर निगम में किया प्रदर्शन

जितेंद्र सिंह परमार चीफ रिपोर्ट खैरागढ़

विगत दिनों आगरा नगर निगम की कूड़ा गाड़ी से बाल्मीकि समाज के नुनिहाई निवासी सिद्धांत नामक युवक की दव करके मौत हो गई थी जिस पर आगरा नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त अनुपम शुक्ला ने समाज के कर्मचारी नेताओं से मिलकर के मृतक के परिवारी जनों को चोरी के मुकदमे का भय दिखाकर राजीनामा लिखवा लिया था । और उन्हें यह भय किया गया था कि अगर आप अपनी कार्रवाई वापस नही लेंगे तो आपको ?50हजार मुआवजा एक आउटसोर्सिंग की नौकरी और एक प्रधानमंत्री आवास का आवास उपलब्ध करा दिया जाएगा। मुकदमे की कार्रवाई से भयभीत होकर पीड़ित परिवार ने नगर निगम के दबाव में आकर एक कागज पर हस्ताक्षर करके दे दिया। इसके साथ ही जब इस संदर्भ में अपर नगर आयुक्त केवी सिंह से मीडिया में बड़ा बेतुका बयान देते हुए कहा कि जहां पर मृतक सिद्धांत की मृत्यु हुई है वह आगरा नगर निगम का स्वयं का खत्ताघर है जिसे एक कंपनी को किराए पर दिया हुआ वह नगर निगम की संपत्ति है जिसे मृतक और उसके साथियों के दौरान चुरा कर ले जाया जाता था और घटना वाले दिन भी वह खत्ताघर से कूड़ा चुराने का काम कर रहा था। इसी दौरान हादसा हो गया था और उसमें उसकी मौत हो गई थी मृतक चोर था इसलिए चोर के प्रति उनके कोई संवेदना नहीं है। इसको लेकर के आगरा वाल्मीकि महापंचायत में आक्रोश जताते हुए आज नगर निगम पर अपर नगर आयुक्त केवी सिंह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की और मृतक परिवार को 20 लाख रुपए और एक सरकारी नौकरी देने के लिए सरकार से मांग की। भारी मात्रा में विभिन्न विभिन्न संगठनों ने अपना सहयोग देकर आक्रोश जताया जिसमें समाजवादी पार्टी के नितिन कोली द्वारा पचास हजार की धनराशि का सहयोग मृतक परिवार को दिया गया और बाल्मीकि समाज के तमाम संगठनों ने मृतक परिवार का सहयोग किया अब देखना यह है कि मृतक परिवार के खिलाफ अपर नगर आयुक्त ने जो बयान दिए हैं उस पर कार्रवाई होती है या नहीं।। धरना देने वालों में राकेश कुमार बाल्मीकि भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा महानगर अध्यक्ष, श्याम कुमार करुणेश, गौरव बाल्मीकि, झिलो राम पहलवान, नितिन कोहली समाजवादी पार्टी, कांग्रेस शहर अध्यक्ष देवेंद्र चिल्लू, आदि सैकड़ों संख्या में लोग उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 12 सितम्बर को करायेंगे गृह प्रवेश, मुख्यमंत्री श्री चौहान ने की तैयारियों की समीक्षा

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 2 लाख परिवारों को मिलेगा अपना घर

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 12 सितम्बर को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आयोजित होने वाला गृह प्रवेश कार्यक्रम उत्साहपूर्वक मनाया जाए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है कि %हर परिवार के पास अपना घर हो%। इस दिशा में कार्य करते हुए प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दो लाख आवास निर्मित किए गए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इन आवासों में हितग्राहियों को गृह प्रवेश करायेंगे। प्रधानमंत्री प्रदेश के हितग्राहियों से चर्चा भी करेंगे। इन परिवारों के लिए यह दिन आनंद और उत्साह का है। अपना घर लोगों के मन में सुरक्षा का भाव लाएगा। अत॰ वर्चुअल आधार पर आयोजित इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोग जुड़ें। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में आयोजित बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत गृह प्रवेश कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री मनोज श्रीवास्तव तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। वर्चुअल आधार पर आयोजित इस कार्यक्रम में हितग्राही वेबकास्ट के माध्यम से जुड़ेंगे। कार्यक्रम प्रात॰ 11 बजे आरंभ होगा। जिसका प्रसारण फेसबुक, ट्विटर के साथ-साथ क्षेत्रीय चैनल पर होगा। उल्लेखनीय है कि कोरोना महामारी अवधि में बने इन आवासों से बड़े पैमाने पर श्रमिक वर्ग को काम मिला तथा स्थानीय निवासियों के साथ-साथ प्रवासी श्रमिकों के लिए भी आवास सुविधा उपलब्ध हो सकी।

झुलसा देने वाली गर्मी से बेहाल लोग

भोपाल। मध्यप्रदेश में लगातार मौसम की उठापटक जारी है। पूरे मध्यप्रदेश में बारिश की गतिविधियों के जाने के बाद पिछले कुछ दिनों से प्रदेश के लगभग अधिकतर स्थानों पर तापमान में बढ़ोत्तरी हुई है, जिसके चलते लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बात राजधानी भोपाल की करें तो यहां पर भी बीते एक सप्ताह से दिन में तीखी धूप से लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो रहा है।

प्रदेश भर में तीखी गर्मी पडने के साथ ही अधिकतम तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। प्रदेश भर में बीते मंगलवार को नरसिंहपुर सबसे ज्यादा तापमान 37 डिग्री के पार रिकॉर्ड हुआ तो वहीं दतिया में 36.2 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं बुधवार को भोपाल शहर में एक बार फिर से छिटपुट बारिश हुई, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। मौसम विभाग का कहना है कि अगस्त के महीने में अच्छी बारिश के बाद सितंबर में बारिश की गतिविधियों में कमी आयी, जिसके चलते प्रदेश के लगभग सभी स्थानों पर तापमान बढ़े हैं, जिसके कारण उमस महसूस की जा रही है। उन्होंने बताया कि तापमान में घटने और बढ़ का दौर फिलहाल जारी रहेगा। इस बीच कुछ स्थानों पर स्थानीय सिस्टम से बारिश के भी आसार जताए गए हैं।

9 जिलों में आज हो सकती है तेज बारिश

इन जगहों पर हो सकती है बारिश

मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले 24 घंटों में ग्वालियर चंबल, भोपाल, होशंगाबाद, शहडोल, सागर, जबलपुर संभाग के जिलों में सतना, रतलाम, शाजापुर जिलों में गरज चमक के साथ बूंदाबांदी होने के आसार हैं। विभाग का कहना है कि 10 सितंबर तक मध्य प्रदेश में अति निम्न दबाव का क्षेत्र बन सकता है, जिसके चलते एक बार फिर से प्रदेश भर में हल्की बारिश होने के आसार बन रहे हैं।

आत्मनिर्भर म.प्र. के तहत तकनीकी प्रगति के लिए आरजीपीवी और क्रिस्प मिलकर करेगें कार्य

तकनीकी शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में हुआ एमओयू

भोपाल। तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया की उपस्थिति में बुधवार को राजीव गॉधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय तथा सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टाफ परफॉर्मेंस क्रिस्प के मध्य एमओयू हुआ। इस अवसर पर श्रीमती सिंधिया ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के अन्तर्गत छात्रों, संकायों तथा हितधारकों के लाभ के लिए विभिन्न पहल के माध्यम से विश्वस्तर की तकनीकी ज्ञान और कौशल विकास के लिए यह निर्णय लिया गया है। मंत्री श्रीमती सिंधिया ने कहा कि दोनों संस्थान मिलकर तकनीकी लैब स्थापित करेगें। जिसमें इंडस्ट्री 4.0, ई-व्हीकल, वर्ल्ड स्किल अकादमी, ब्लॉक चैन तथा मशीन लर्निंग जैसे आधुनिक तकनीकों की जानकारी इंजीनियरिंग तथा अन्य संस्थानों को साझा की जायेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र के देश में एक रोल मॉडल के रूप में उभरेगा। इस अवसर पर आरजीपीवी के कुलपति सुनील कुमार, आयुक्त तकनीकी शिक्षा पी.नरहरि उपस्थित थे। तकनीकी शिक्षा मंत्री श्रीमती यशोधरा राघे सिंधिया ने बुधवार को राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में महिला पॉलीटेकनिक की दस छात्राओं को टैब वितरित किए। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफल होने का दृढ़ संकल्प बहुत आवश्यक है। अपने सपनों को सफल करने के लिए हर प्रकार की चुनौती के लिए हमेशा तैयार रहे और कभी भी अपने माता-पिता के बलिदान को न भूले। श्रीमती सिंधिया ने आयुक्त तकनीकी शिक्षा पी.नरहरि का उदाहरण विद्यार्थियों के देते हुए कहा कि किसी भी परिस्थिति एवं पृष्ठभूमि के हो परन्तु अगर आप अपने सपने को हासिल करने का दृढ़ संकल्प करते है तो सारी चुनौतियाँ आपको आसान लगने लगती है। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री श्रीमती सिंधिया ने विद्यालय परिसर में पौध-रोपण किया तथा आरजीपीवी के केन्द्रीय पुस्तकालय का अवलोकन भी किया।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री सारंग ने पी.एम. स्ट्रीट वेंडर्स के हितग्राहियों को हितपत्र बाँटे

भोपाल। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पी.एम. स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि %स्वनिधि संवाद% कार्यक्रम में शामिल हुए। अशोका गार्डन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संवाद को वीडियो स्क्रीन के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों ने सुना। कार्यक्रम उपरांत मंत्री श्री सारंग ने क्षेत्र के हितग्राहियों को पी.एम. स्ट्रीट वेंडर्स के हितपत्रों का वितरण किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पी.एम. स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना में देश में प्रथम स्थान पर है। मध्यप्रदेश में एक लाख से अधिक हितग्राहियों ने इसका लाभ लिया है। श्री सारंग ने कहा कि योजना में पथ विक्रेताओं को छोटे-छोटे काम-धंधे के लिए, बिना सुरक्षा लिए, बैंकों से 10 हजार रूपए तक की कार्यशील पूंजी तथा ब्याज अनुदान दिया जा रहा है। योजना में प्रावधान है कि डिजीटल ट्रांजेक्शन करने पर प्रतिवर्ष 1200 रूपये की अतिरिक्त राशि और समय पर ऋण चुकाने पर अगले वर्ष 20 हजार रूपए की कार्यशील पूंजी उपलब्ध करवाई जाएगी। जैसे-जैसे वे अपना कार्य आगे बढ़ायेंगे सरकार उनकी मदद बढ़ाएगी और वे आत्मनिर्भर होते चले जाएंगे। उन्होंने कहा कि योजना में 10 हजार तक का लोन स्वीकृत होगा। कोरोना संकटकाल में राज्य के रेहड़ी, ठेला, पटरी लगाने वालों के आर्थिक हितों को सुनिश्चित करने के लिये योजना तैयार की गई है। योजना का लाभ देने में मध्यप्रदेश अग्रणीय रहा है।

प्रदेश में 20 हजार से अधिक वन अधिकार दावों को किया गया मान्य, वन अधिकार दावों के पुन॰ परीक्षण का कार्य जारी

भोपाल। प्रदेश में वन अधिकार अधिनियम के तहत पूर्व के निरस्त दावों के निराकरण के लिये पुन॰ परीक्षण का कार्य किया जा रहा है। अब तक 20 हजार 517 वन अधिकार दावों को पुन॰ परीक्षण के बाद मान्य किया जा चुका है। प्रदेश में वन अधिकार अधिनियम के तहत पूर्व के निरस्त दावों के निराकरण के लिये एमपी वनमित्र सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है। आदिम-जाति कल्याण विभाग द्वारा अब तक 20 हजार 830 ग्राम पंचायत सचिव की प्रोफाइल अपडेट की जा चुकी है और 36 हजार 722 ग्राम वन अधिकार समितियों को पोर्टल में दर्ज किया जा चुका है। ग्राम वन अधिकार समितियों द्वारा पूर्व के निरस्त 2 लाख 68 हजार 853 दावों का पुन॰ परीक्षण किया जा रहा है। उपखण्ड स्तरीय समितियों द्वारा परीक्षण के बाद 82 हजार 663 दावों का निराकरण कर अनुशंसा के साथ जिला स्तरीय समितियों को भेजा गया है। जिला स्तरीय समितियों द्वारा 28 हजार 710 दावों का निराकरण कर 20 हजार 517 दावों को मान्य किया जा चुका है। प्रदेश में वन अधिकार अधिनियम-2006 के क्रियान्वयन के तहत अब तक 2 लाख 29 हजार 988 वनवासियों को व्यक्तिगत एवं 27 हजार 976 सामुदायिक वन अधिकार-पत्र वितरित किये गये हैं। वन अधिकार अधिनियम में लाभान्वित वनवासियों को सरकारी योजनाओं का लाभ भी दिलाया जा रहा है। प्रदेश में 54 हजार 965 कपिलधारा कूप, 57 हजार 721 भूमि सुधार, 24 हजार 366 डीजल-विद्युत सिंचाई पम्प और करीब 61 हजार आवास पट्टाधारी वनवासियों को मंजूर किये गये हैं।

अब पांच लाख हितग्राही लाभान्वित करने का लक्ष्य : मुख्यमंत्री चौहान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम स्वनिधि योजना के मध्यप्रदेश के हितग्राहियों से बातचीत की

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि मध्यप्रदेश ने स्ट्रीट वेंडर्स के कल्याण के लिए बहुत कम समय में बेहतरीन कार्य कर दिखाया है। पीएम स्वनिधि योजना में हुए इस कार्य से अन्य राज्य प्रेरणा ले सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस अवसर पर घोषणा की कि स्ट्रीट वेंडर्स के कल्याण की एक अन्य योजना पर भी विचार किया जा रहा है। जिसकी शुरुआत शीघ्र ही की जाएगी। उन्होंने लघु व्यवासियों से डिजिटल लेन-देन को अपनाकर अपने कारोबार को कई गुना बढ़ाने का आव्हान भी किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश की उपलब्धि और लॉकडाउन के दौरान अच्छा कार्य करने के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान को बधाई दी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा की मध्यप्रदेश में पीएम स्वनिधि योजना की सफलता श्रम की ताकत का परिचायक है जिसे मैं आदरपूर्वक नमन करता हूँ। मध्यप्रदेश के एक लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स को लाभ सुनिश्चित कर पहचान-पत्र और अन्य लाभ देने का कार्य प्रशंसनीय है। महामारी के समय गरीबों को इस योजना में मिली यह राहत वरदान सिद्ध हुई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वर्चुअल संवाद के बाद योजना में पांच लाख हितग्राही को लाभान्वित करने का लक्ष्य नगरीय विकास एवं आवास विभाग को दिया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि गरीबों के कल्याण के योजनाबद्ध प्रयास जारी रहेंगे। गरीबों को सूदखोरों के चंगुल से निकालकर आर्थिक सहायता पहुंचाने के प्रयास किए गए हैं। पहले कागजों के डर से गरीब बैंक तक नहीं जा पाते थे। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से 94 हजार करोड़ की राशि का अंतरण हो या कोरोना काल में 20 करोड़ बहनों के खाते में 31 हजार करोड़ रुपये जमा करने का कार्य, जरूरतमंदों की पूरी सहायता की गई। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि बैंकिंग व्यवस्था से अब गांव भी ऑनलाइन मार्केट से जुड़ जाएंगे। आगामी 1 हजार दिन में आप्टीकल फाइबर के अधिकतम उपयोग को बढ़ाने का कार्य होगा, जो एक तरह की डिजिटल क्रांति होगी। डिजिटल हेल्थ मिशन से हितग्राहियों को हेल्थ आईडी भी मिलेगी। चिकित्सक से एपांइटमेंट और चेकअप का कार्य भी इसी प्रक्रिया से होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि वन नेशन-वन राशन कार्ड की व्यवस्था भी लागू की गई है। देश में कहीं भी जाने पर व्यक्ति राशन ले सकेगा, अपने हक के साथ चलेगा। डिजिटल क्रांति की सहायता लेते हुए मध्यप्रदेश की पीएम स्वनिधि योजना में प्राप्त उपलब्धि सराहनीय है। अन्य राज्यों को मध्यप्रदेश का अनुसरण करना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संबोधन के पहले पीएम स्वनिधि योजना के मध्यप्रदेश के हितग्राहियों से बातचीत भी की। वर्चुअल कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के साथ केन्द्रीय आवास एवं शहरी कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री हरदीप सिंह पुरी, मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह, केन्द्र सरकार के सचिव शहरी विकास मंत्रालय श्री दुर्गाशंकर मिश्र, मुख्य सचिव मध्यप्रदेश श्री इकबाल सिंह बैंस और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चीन पर भारत के आक्रामक तेवर

सैन्य और कूटनीतिक चैनलों से बातचीत के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर उकसावे वाली कार्रवाई को भारत चीन की दबाव बनाने की रणनीति मान रहा है। इससे निपटने के लिए भारत ने भी चीन को लगातार जवाबी कार्रवाई से परहेज नहीं बरतने का संदेश दे रहा है। भारत की रणनीति सभी माध्यमों से बातचीत जारी रखने के साथ एलएसी पर आक्रामक तेवर बरकरार रखने की है। दरअसल, घुसपैठ और फायरिंग के जरिये ड्रैगन भारत पर दबाव बनाना चाहता है। भारत चीन के दबाव बनाने के किसी झांसे में नहीं आएगा। बीते करीब एक महीने से भारत एलएसी पर आक्रामक तेवर अपना कर चीन को किसी तरह के दबाव में न आने के साथ हर स्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहने का संदेश दे रहा है। भविष्य में भी यही सिलसिला जारी रहेगा। भारत लगातार विवाद की गेंद चीन के पाले में डाले रखेगा। दरअसल, बातचीत के बीच तनाव बढ़ाना चीन की पुरानी रणनीति है। इसके सहारे चीन हमेशा से दबाव बनाता आया है। वर्ष 2017 में भी दोकलम विवाद में ऐसा ही हुआ था। दो महीने से अधिक रस्साकसी के बीच चीन ने लगातार आक्रामक तेवर दिखाए थे। भारत की ओर से जवाबी तेवर दिखाने और अंत तक इस पर कायम रहने के बाद चीनी को हथियार डालने पड़े थे। सरकारी सूत्र ने कहा कि विवाद टालने के लिए भारत बातचीत से पीछे नहीं हटेगा। हालांकि, बातचीत के साथ एलएसी पर भी चीन को रत्ती भर भी दबाव में आने का संकेत नहीं देगा। उक्त सूत्र के मुताबिक इस विवाद मामले में शुरू से ही भारत की यही रणनीति रही है। विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता, विदेश मंत्रियों और रक्षा मंत्रियों के अलावा सैन्य स्तर की बातचीत में भी भारत लगातार अपने पुराने रुख पर अड़ा हुआ है। मास्को में विदेश मंत्री जयशंकर अपने चीनी समकक्ष को फिर से अपनी इसी रणनीति का परिचय देंगे। एलएसी पर तनाव की शुरुआत करने के बाद चीन अब असमंजस में है। चीन ने विवाद को इतना अधिक बढ़ा दिया है कि उसके लिए तत्काल बैकफुट पर आने का विकल्प नहीं बचा है। ऐसे में एलएसी पर जारी विवाद लंबा खिंचेगा। चीन के रुख में धीरे-धीरे नरमी आएगी। चीन तनाव को बढ़ाने के लिए निरंतर उकसावे की गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। भारतीय सेना ने न तो एलएसी पार की और न ही गोलीबारी जैसी कोई आक्रामक कार्रवाई की। सेना ने कहा, सैन्य, कूटनीतिक और राजनीतिक स्तर पर जारी बातचीत के बावजूद पीएलए सरेआम समझौते के उल्लंघन के साथ-साथ लगातार आक्रामक हरकत भी कर रही है। सात सितंबर को ऐसी ही एक घटना में पीएलए के सैनिकों ने एलएसी से सटी हमारी एक अग्रिम चौकी की ओर बढने् की कोशिश की।

प्रणाम कुलशीर्ष पितामह!

आशीष धर्मराज! अनुकंपा है केशव की तुम पर।
कहो! याचक बनकर अभीष्ट वर मांगने....
या संशय के तम में दिशाहीन जीवन-नौका...!
अन्तरतम की पीड़ा का सार चिह्नते आप

हूक हिलोरे रह-रह जाती
विचलित करती मन को शर्बरी
निज हिय धर्म नहीं अब...
प्रकृति न थी मेरी हिंसा का
व्यापार।

पश्चात युद्ध! तरस न कोई मुझ
पर खायेगा
सहृदय जन भी मुझ पर
प्रश्नचिन्ह लगाएगा
तर्क-वितर्क से इतिहास पृष्ठ उज्ज्वल न होंगे
हे कुटुम्ब श्रेष्ठ! समर न करूँगा अब
कुरुराज विभूति की चाह थी हमको कब!

हे न्यायप्रिय धर्मराज! मलिन विलोचन न कर
अनिष्ट शंका-उर्मि का समाधान समर है!
न्याय-तत्व शांति पथ ही अमर है
न धिक्कार निज व्यथा से मन को
शांति-सुधा बहेगी महासमर उपरांत
न समय शास्त्रार्थ का......।

क्या भूल सकते हो मूक सभा में चीरहरण...
वंश मर्यादा भूल कौरव अन्यायी
कर्कट-से छल छद्मी
चूस मकरंद जनजीवन का
शोषण अन्याय में मध्यस्थ सहायक शकुनि कर्ण
अत्याचारी दमन जरूरी.......।

होगा वादानुवाद इतिहासों में चर्चित धर्मराज!
छोड़ दुश्चिंता! यथेच्छ साधन से कर समर जय
प्रबलेच्छा है मेरी कुचले जाये फण नागों के
बंधा राज सिंहासन से प्रण मेरा...
पर! राजन घोषित हो तुम विजयोपरांत।

धर्मराज! शाश्वत सत्य-न्याय-शांति
नित्य विचरे प्रजा हिय में
पुष्परस से भाव सरस हो जन-जन में
स्मरण रहे हे ज्येष्ठ कौन्तेय!
सत्ता में समभागी हो श्रमजीवी
सम वितरण हो द्रव्य जन में
शासन रूपी जलयान श्रमिक ईंधन पर चलता
राजसिंहासन के तिलक-अक्षत
इनके पसीने से सींचे हुए
कुमकुम मिलता राज समाजों को इनसे
मेहनतकश से चले सिंहासन
भेद न रहे शासक-शासित में
मिलता है महलों को रोटी-कपड़ा इनसे।

समर ही शांति का मार्ग है
करुणा का प्रसार हृदय शुद्धि साधन
हे धर्मराज! विचलित न हो।

शीर्षक- भीष्म-युद्धिष्ठिर संवाद
विधा- छंदमुक्त काव्य
संक्षिप्त परिचय- ज्ञानीचोर
शोधार्थी व कवि साहित्यकार
मु.पो.रघुनाथगढ़, सीकर राजस्थान।

आत्महत्याओं को रोकने के लिये मिलकर प्रयास जरूरी

मानवीय जीवन में आत्महत्या एक असामान्य व्यवहार है। जिसमें प्राणी स्वयं की हत्या करता है। पहले व्यक्ति में बार-बार आत्महत्या के विचार आते हैं, उसके बाद वह आत्महत्या कैसे किया जाए। कब किया जाए। आत्महत्या सफल नहीं हुई तो क्या होगा। समाज क्या सोचेगा। हमारे परिवार का क्या होगा? जैसे अनेक प्रश्नों से जूझता रहता है और फिर आत्महत्या का प्रयास करता है। आत्महत्या के सभी प्रयास सफल नहीं होते हैं। आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि 25 आत्महत्या के प्रयास में से सिर्फ एक व्यक्ति की मौत होती है। कुछ लोग आत्महत्या का प्रदर्शित प्रयास करते हैं ताकि वे लोगों से अपनी बात को मनवा सकें।

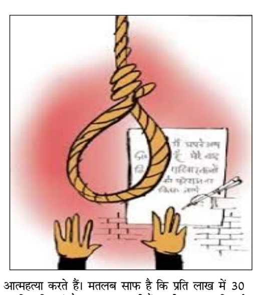

दुनिया में 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या निवारण दिवस का आयोजन किया जाता है। इसकी शुरुवात 2003 में हुई थी। जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को आत्महत्या के प्रति जागरूक करना तथा आत्महत्या के निवारण के उपायों से उन्हें अवगत कराना है ताकि असामयिक मौतों से जिंदगियों को बचाया जा सके। इस वर्ष आत्महत्या निवारण दिवस की महत्ता और भी अधिक है क्योंकि दुनिया भर से प्राप्त रुझानों से यह स्पष्ट हो रहा है कि कोरोना महामारी के कारण लोगों में आत्महत्या के विचार एवं प्रयास में वृद्धि देखी जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस वर्ष का नारा दिया है %आत्महत्या निवारण हेतु मिलकर प्रयास करनाविश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में लगभग 3000 लोग रोज आत्महत्या करते हैं। हर 40 सेकेंड पर एक व्यक्ति की मृत्यु आत्महत्या से होती है। वर्ष में लगभग 10 लाख लोगों की मृत्यु आत्महत्या के कारण होती है। विश्व में होने वाले कुल आत्महत्या में से 21त्न आत्महत्या भारत में होती है। भारत में प्रति एक लाख में 11 लोग आत्महत्या करते हैं। पांडिचेरी में आत्महत्या की दर सबसे अधिक है जहां पर प्रत्येक एक लाख व्यक्ति में से 432 लोग आत्महत्या करते हैं। लैंसेट पब्लिक पत्रिका के अनुसार विश्व की कुल 18त्न महिलाएं भारत में रहती हैं जबकि विश्व में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले कुल आत्महत्या में भारतीय महिलाओं की हिस्सेदारी 36त्न है। ग्लोबल बर्डेन ऑफ डिजीज 2019 के अनुसार भारत में हर 4 मिनट में एक आत्महत्या होती है। 15 से 24 वर्ष के लोगों के मृत्यु का आत्महत्या दूसरा सबसे बड़ा कारण है। महिलाओं द्वारा आत्महत्या का प्रयास तीन गुना अधिक किया जाता है। पुरुष आत्महत्या के लिए आग्नेयास्त्र जबकि महिलाएं जहर का प्रयोग करती हैं। 50 वर्ष से अधिक उम्र में पुरुष सबसे अधिक आत्महत्या करते हैं। मतलब साफ है कि प्रति लाख में 30 जबकि महिलाएं नौ आत्महत्या करती हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की तरफ़ से आत्महत्या पर हाल में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 2019 में 1, 39, 123 लोगों ने आत्महत्या किया। आंकड़ों के अनुसार हर रोज 381 लोगों ने आत्महत्या किया। इससे यह साफ जाहिर होता है कि 2018 के मुकाबले 3.4 फीसदी लोगों ने अधिक आत्महत्या किया। शहरों में यह दर 13.9 फीसदी रही जो भारत में होनी वाली कुल आत्महत्याओं का 10.4 फीसदी है। देश में 53.6 फीसदी लोगों ने फाँसी 25.8 फीसदी ने जहर निगल जबकि 5.2 फीसदी पानी में डूबकर और 3.8 फीसदी लोगों ने आत्महत्या के ज़रिए अपना जीवन ख़त्म किया। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 32.4 फीसदी लोगों ने पारिवारिक कारणों और समस्याओं से आत्महत्या किया। बीएचयू के एआरटी सेंटर में तैनात मनोचिकित्सक डा.मनोज तिवारी के अनुसार आत्महत्या के प्रमुख कारणों में वर्तमान समय में सबसे अधिक कोरोना महामारी वजह बनती दिखती है। इसकी वजह से लोग तनाव में हैं। दुश्चिंता, भय, अनिश्चितता, आर्थिक समस्याएं, नकारात्मक संवेग जैसी बातें आम हैं। जिसकी वजह से नौकरी छूटने, नशे का अधिक प्रयोग, अकेलापन अपनों से मिल न पाना जैसी अनेक समस्याओं से लोग जूझ रहें हैं। डा. मनोज के दावे के अनुसार इस महामारी के दौरान एवं बाद में आत्महत्या बढ़ने की संभावना है। मनोवैज्ञानिक वोयर और उनके साथियों ने अपने अध्ययन में पाया कि अकेले रहने के कारण लोगों में आत्महत्या के विचार एवं प्रयास में वृद्धि होती है। सुसाइड प्रीवेंशन इंडिया फाउंडेशन (एसपीआईएफ) ने एक सर्वे के आधार पर बताया कि कोरोना महामारी के कारण लोगों में आत्महत्या का विचार कई गुना बढ़ गया है। परिवार में किसी व्यक्ति की मनोदशा समझनी ज़रूरी होती है। अगर घर में किसी सदस्य की दिनचर्या बदली हुई लगती है तो उस पर गम्भीरता से विचार करना चाहिए। डा.मनोज के अनुसार आत्महत्या का विचार रखने वाले व्यक्तियों में आपको इस तरह के बदलाव ज़रूर दिखेंगे। जैसे बार-बार मरने की इच्छा व्यक्त करना। आत्महत्या करने से पूर्व अपने परिवार, दोस्त व परिचितों से इसके बारे में चर्चा करता है ताकि लोग उसकी सहायता करें। इसे %क्राइ फॉर हेल्प% कहते हैं ।निराशावादी सोच प्रकट करना और कहना कि %मैं जी कर क्या करूंगा, मेरे जीवन का कोई उद्देश्य नहीं है%। उच्च स्तर का दोष भाव व्यक्त करना कहना कि मेरे कारण ही इतनी खराब स्थिति हो गई है। असहाय महसूस करना और कहना कि मेरा कौन है, अब मैं कुछ भी कर नहीं पाऊंगा। अचानक से व्यवहार एवं दिनचर्या में परिवर्तन होना। इसके अलावा नशे का बहुत अधिक उपयोग करना। अपने पसंदीदा कार्यों में भी अरुचि दिखाना। परिवार व मित्रों से दूरी बना लेने के साथ स्वयं को समाप्त करने का अवसर तलाशने जैसी बातें अहम हैं। पारिवारिक सजगता की वजह से हम इस तरह की घटना को टाल भी सकते हैं। इस तरह के विचार रखने वालों से बातचीत करें ताकि वह अपनी भावनाओं को साझा कर सकें। ऐसे व्यक्ति को सांत्वना एवं साम्वेगिक समर्थन दें, जिनमें आत्महत्या का उच्च जोखिम हो। आत्महत्या के साधनों को उससे दूर रखें। उसे बार-बार दोष न दें तथा डांटे फटकारे न। परिवार में मनमुटाव की स्थिति को लंबे समय तक जारी न रखें। परिवार में बहुत अधिक आलोचनात्मक बातें नहीं होनी चाहिए। बातचीत में नकारात्मकता की अधिकता से बचें। परिवार में सकारात्मक वातावरण बनाकर रखें, घर में अध्ययन, पूजा-पाठ व उत्सव को महत्व दें। परिवार के साथ सामूहिक भोजन एवं चर्चा करें। किसी व्यक्ति में हताशा और निराशा का भाव दिखाई पड़े तो उससे बातचीत करके उनका हौसला अफजाई करें। परिवार में किसी सदस्य में आत्महत्या के लक्षण दिखाई पड़े तो उन्हें मनोचिकित्सा के लिए प्रोत्साहित करें।

अनमोल उपहार है माँ का प्यार...

हमें याद आता है, अपना गाँव..
मॉ की ममता के आँचल की छाँव..
जब हम सर्वत्र होते हैं निराश..
जीवन की न रहती है आस..
हमको मिलता है यहीं पर ठांव..
बचपन से जहाँ बढ़ें हमारे पाँव..
यहीं पर हम जन्म लिए..
खेले कूदे पढ़े लिखे..
शहर की तरफ कदम बढ़े..
शहर की आबोहवा लगते ही..
अक्सर हम जाते हैं भूल..
जहाँ शिक्षा ग्रहण किए वो प्राइमरी स्कूल..
आधुनिकता का हम पर ऐसा छा जाता मकड़जाल..
गाँव व गाँव में रह रही मॉ का न ले पाते हालचाल..
गाँव में वृद्ध अशक्त बापू को छोड़कर..
शहर में हम चैन की बंसी बजाते हैं..
जब हम पर कष्ट या मुसीबत पड़े..
तो वही मा व गाँव हमें याद आते हैं..
फिर हम दौड़े चले आते हैं..
तब याद आती है माँ की ममता व दुलार..
बाबा दादी काका चाचा ताऊ का प्यार..
गाँव के खेतों व खलिहान में बहती ठंडी बयार..
हम भूल जाते हैं कि जननी व जन्मभूमि ही..
जीवन का सबसे बड़ा होता है अनमोल उपहार..
इनसे बढ़कर कोई न दे सका है हमें निश्छल प्यार...
स्वरचित व मौलिक

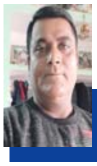

सादर लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
बस्ती उत्तर प्रदेश

धीरे धीरे

सुबह की चिड़िया बोली धीरे धीरे,
शाम के विहंग नीड़ जाते धीरे धीरे,

अधुनातन कई घटनाएं होती हैं,
हर घटनाएं अखबार में छपती हैं धीरे धीरे,

गरीबों पर हो रहा अत्याचार कहाँ,
किसी को दिखता अमीरों,
वाली बात लोग कर रहे हैं धीरे धीरे,

पहले की तरह कतई नहीं रही दुनिया,
लोग फैशन की गिरफ्त में आ रहे हैं धीरे धीरे,

हर दिन मजलूमों को सताया जाता,
चौर्य का इल्जाम लगाकर मजलूम पिटाया जाता,

कृषक जाते कुछ मदद मांगने,
गरीब मजदूर पापी उदर के लिए
दो शाम की रोटी मांगने विश्वास दिलाया जाता,
हम आपको यह सब सुलभ कराएंगे धीरे धीरे,

जब हक मांगने आऊँ सड़कों पर,
सही के लिए विद्रेष करूँ मशाल लाऊँ,
देशद्रोही घोषित करता है धीरे धीरे,

किसी को नहीं पसंद है सदाकत वाली बात,
अनृत वाली बात फैल रही है धीरे धीरे,

बेरोजगारी की संख्या पहुंच गई है व्योम पर,
लोग एक दूसरे को मार रहे हैं नौकरी के लिए,

क्षत्रपति से जाऊँ अपने बूरे हाल की कथा सुनाने,
वो बोलते हैं आपके बूरे हाल की छुट्टी हो जाएगी धीरे धीरे।

मो. जमील
अंधराठाढ़ी, मधुबनी (बिहार)

भारत के दर्जनों बैक दिवालिया होने की कगार पर

वैश्विक अर्थ व्यवस्था पर कोरोना वायरस के कारण सारी दुनिया में अफरा-तफरी मची हुई है। सारी दुनिया के शेयर बाजरों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। भारत के दर्जनों बैंक दिवालिया होने की कगार पर खड़े थे। कोरोना वायरस के कारण आई मंदी के कारण यह कब तक दिवालिया हो जाएंगे कहना मुश्किल है। पिछले एक वर्ष में केंद्र सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर बैंकों का विलय राष्ट्रीयकृत बैंकों में कराकर उन्हे दिवालिया होने से तो बचा लिया है। हाल ही में बैंक के 49 फीसदी हिस्सेदारी स्टेट बैंक ने खरीदकर यस बैंक को बचाने का प्रयास कर रहा है। इसको लेकर सारे देश में चिंता बढ़ गई है। पिछले एक दशक में शेयर बाजारों में भारतीय बैंकों, जीवन बीमा निगम, वित्तीय संस्थाओं तथा म्युचल फंड का अरबों रुपया निवेश किया गया है। 2008 के बाद अमेरिका की आर्थिक मंदी

के बाद भारत का शेयर बाजार मुनाफा वसूली का केंद्र बन गया था। जब जब शेयर बाजार मुनाफा वसूली के कारण गिरावट में आया। शेयर बाजार की गिरावट को रोकने के लिए केंद्र सरकार के दबाव में शेयर बाजार में बैंकों तथा वित्तीय संस्थानों का निवेश बढ़ता चला गया। पीएफ जैसे संस्थान का पैसा भी केंद्र सरकार ने शेयर बाजार में लगवा दिया। 2010 में मुंबई स्टाक एक्सचेंज का सेंसेक्स 2100 पर था जो 2020 में 42000 के स्तर को छू गया। पिछले 1 दशक में शेयर बाजार के माध्यम से देश के वित्तीय संस्थाओं की जो लूट हुई है। अब उसके दुष्परिणाम सामने दिखने लगे हैं। पिछले 5 वर्षों में शेयर बाजार में सूचीबद्ध सैकड़ों कंपनियां दिवालिया होने की कगार पर थी। भारत की कंपनियों ने कंपनी का पैसा विदेशों में निवेश कर दिया था। वड़ी संख्या में पिछले 5 वर्षों में भारतीय नागरिकों ने विदेशी नागरिकता लेकर भारतीय वाजार के माध्यम से जमकर मुनाफा वसूली की है। बैंकों से ली गई कर्ज की राशि को कंपनियां चुका नहीं रही थी। रिजर्व बैंक के पूर्व गर्वनर रघुराम राजन ने सरकार को गड़बड़ी रोकने जो सुझाव दिए थे। सरकार ने नहीं माने। उलटे रघुराम राजन को ही चलता कर दिया। बैंकों का एनपीए लगातार बढ़ता चला गया। सैकड़ों कंपनियों का कई लाख करोड़ रुपयों का ऋण सरकार ने राइट आफ कर दिया।

बेटियां

खुशाली जिंदगी में लाती
है बेटियां
समृद्धि जीवन को
दिलाती है बेटियां
सुख दुख में साथ
निभाती है बेटियां
सेवा समर्पण का भाव
होती है बेटियां
चली जाती हैं दूर फिर
भी साथ रहती है बेटियां
त्याग ममता की मूरत होती है बेटियां
रोपे जाते हैं बेटे उग जाती हैं बेटियां
सीचे जाते हैं बेटे पल्लवित होती है बेटियां
पढ़ाते हैं बेटे पढ़ जाती हैं बेटियां
परदेसी हो जाते हैं बेटे कहते हैं पराई होती है बेटियां
एक नवजीवन का सृजन करती हैं बेटियां
फिर क्यों कोख में ही मार डाली जाती है बेटियां
फिर क्यों कोख में ही मार डाली जाती है बेटियां।

रीना अग्रवाल
ग्वालियर मप्र

आत्मविश्वास

रखता हूं हुनर, परिंदों की
तरह उड़ने का..
मैं कटे पंखों से आसमां
झुकाना जानता हूं।

जिन आंधियों ने उजाड़े हैं,
आशियाने बहुत सारे..
उनके सीनो पर बस्तियां बसाना जानता हूं।

रगों में जिनके हो नफरत, जुबां में खंजर हो..
मैं उन दिलों को भी मिश्री बनाना जानता हूं।

खिले बगीचों को रौंदने का, हुनर सबको है..
मैं तो पत्थरों में बाग खिलाना जानता हूं।

कुछ हसीन ख्वाब है मेरे, खुद की नजरों में..
हर एक ख्वाब जमीन पर सजाना जानता हूं।

अपनी क्षमता पर रख आत्मविश्वास,परिश्रम करता
हूं..
वो दिन भी आएगा जो मै चाहूंगा हो जाएगा।।

ठाकराराम प्रजापत
अध्यापक-बाड़मेर, राजस्थान

एक पैगाम उनके नाम

गन्दे अरमानों के पत्थर आदि से अब तक टूटे हैं
तुमको क्या लगता है सारे तथ्य
फैसले झूठे हैं

बना कलाम ने बड़ी मिसाइलें
देश का ऊंचा नाम किया
अब्दुल हमीद ने खुशी-2 जीवन
को देश के नाम किया
लेकिन खर ओछा तू तो
मुह,अपना जब भी खोलेगा
बनकर विषधर भुजंग भाँति लोगों में विष ही
घोलेगा।
इन्सान नहीं भगवान हैं वो जो देते हैं इन्सानी सीख
हिन्दुस्तान की गंगा-जमुनी तहजीबों की भाषा सीख
सबसे बड़ा धर्म देश का बाकी चोला छोड़ दे तो
समय बहुत है बन्दे अपनी जिह्वा अब भी मोड़ ले तू
अपनी पर गर हम आए तो कहीं का न रह जायेगा
अगले दिन ये काँची काया मिट्टी नीचे पायेगा।

नीरज कुमार द्विवेदी
बस्ती-उत्तरप्रदेश

अपना अपना भाग्य!

पति को चुपचाप बैठे देख कर,
श्रीमती जी का मन पसीजा,
आज कल क्यों उदास से रहते हो?
दु:खी हो किस बात पर?
क्या हासिल होगा नतीज़ा?

खुश रहा करो,
जैसे कि रहते हैं मेरे जीजा!
पलटकर जवाब दिया पति देव ने,
यही तो कारण है,
नहीं है कोई मेरी भी साली,
और न कभी भी होने वाली!
जिसके पास साली है,
उसकी जिंदगी है निराली,
जो हमेशा खयाल रखती है जीजा की,
मुझे भी चाहिए, ऐसी एक साली!!

पद्ममुख पंडा
ग्राम महापल्ली पोस्ट लोइंग
जिला रायगढ़ छग

मैं हादसों का शिकार हूँ'

हाँ जी ! मैं हादसों का शिकार हूँ ।
ज़िन्दगी का खुद ही चौकीदार हूँ ।।

दिमाग़ी खंजर में कभी भीड़ की मंजर में,
फंसा हुआ दुनिया का एक भागीदार हूँ ।

इश्क़ में रिस्क नहीं अश्क़ पर
रश्क़ नहीं ,
बिना आधार का ही मैं धारदार
हूँ.......।

मिलते भी रहें और बिछड़ते भी
रहें...,
भूला भी नहीं पाया भी नहीं ऐसा प्यार हूँ।

वादों की डोली यादों की सेज़ सजाते रहें,
हिस्से में कुछ नहीं आया और हिस्सेदार हूँ।

स्वरचित एवं मालिक
मनोज शाह मानस
सुदर्शन पार्क मोती नगर नई दिल्ली

चंबल कमिश्नर मिश्रा ने महिला बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान दिये निर्देश : पूरक पोषण आहार घर-घर वितरित हुआ है, इसकी जांच कराई जाये

लड़कियों को संरक्षण देने वाली संस्थाओं का वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण किया जाये

मुरैना। चंबल संभाग में लड़कियों को संरक्षण देने वाली संस्थागत एवं गैर संस्थागत संस्थाओं का माह में कम से कम दो बार निरीक्षण किया जाये। पहला निरीक्षण स्थानीय अधिकारी द्वारा हो, दूसरा निरीक्षण वरिष्ठ अधिकारी द्वारा किया जाये। निरीक्षण को रोस्टर भी बनाया जाये। इसमें यह देखा जाये कि इन संस्थाओं को शासन से मिल रहे अनुदान के अनुसार लड़कियों को सभी सुविधायें मिल रहीं है अथवा नहीं। इस तरह लॉकडाउन के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्र बंद करके घर-घर पूरक पोषण आहार का वितरण किया गया है। इसकी जांच की जाये। सुपरवाइजर अपने स्तर से 2 प्रतिशत रेण्डम जांच करें। इसके पश्चात् जिला कार्यक्रम अधिकारी, सहायक संचालक दो-दो गांव में जाकर जांच करें। यह निर्देश चंबल संभाग के कमिश्नर श्री आर.के. मिश्रा ने महिला बाल विकास विभाग की योजनाओं की संभागीय बैठक को संबोधित करते हुये दिये। बैठक का आयोजन चंबल भवन के सभाकक्ष में किया गया। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्री राजेन्द्र सिंह, उप संचालक श्री अशोक निम, सहायक विकास आयुक्त श्री अरविन्द शर्मा

सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। समीक्षा के दौरान मुरैना महिला बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री उपासना राय ने बताया कि अभ्युदय आश्रम में संचालित जावली योजना के तहत संस्थान की गतिविधियां संदिग्ध है। वहां के संचालक जानकारियां देने को तैयार नहीं है। इस पर कमिश्नर ने संयुक्त संचालक श्री डी.के. सिद्धार्थ को एक कमेटी का प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिये, इसमें महिला बाल विकास सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को रखने के निर्देश दिये। वर्तमान में संस्थागत और गैर संस्थागत संस्थाओं में 405 बच्चे निवासरत है। उन्होंने मुरैना जिले के लिये बालिका गृह का प्रस्ताव बनाने के भी निर्देश दिये। कमिश्नर ने पोषण पुनर्वास केन्द्रों की भर्ती, कुपोषित बच्चों के चल रहे ईलाज की समीक्षा करते हुये कहा कि सभी बच्चों का उचित ईलाज हो। बच्चों को भर्ती करने से पहले उनका कोरोना टेस्ट भी किया जाये। इसके लिये पृथक से अतिरिक्त कक्ष की व्यवस्था रहे। समीक्षा के दौरान बताया कि वर्तमान में संभाग की 27 परियोजनाओं में 190 बिस्तर की क्षमता वाले 14 पुनर्वास केन्द्र संचालित है। इनमें वर्तमान में 408 कुपोषित बच्चों का उपचार किया जा रहा है। आंगनवाड़ी केन्द्रों की समीक्षा करते हुये कमिश्नर ने वर्ष 2010-11 की स्वीकृत आंगनवाड़ी केन्द्रों का सर्वे कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पंचायतों के पास इनका रिकॉर्ड होगा। रिकॉर्ड में देखे कि भवन पूर्ण हुये है अथवा नहीं। उन्होंने निर्देश दिये कि प्रायवेट भवन अथवा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के घरों में चल रहे आंगनवाड़ी केन्द्र तत्काल सरकारी भवनों में शिफ्ट किये जाये। इसके लिये सरकारी भवनों का चिन्हांकन तत्काल किया जाये। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुये कमिश्नर श्री मिश्रा ने कहा कि घरों में डिलेवरी नहीं हो, इसके लिये ब्लॉक मेडीकल अधिकारी मैदानी अमले के साथ कारगर कार्ययोजना बनायें। इसमें स्वास्थ्य और महिला बाल विकास की सामुहिक जिम्मेदारी फिक्स की जाये। औषधी प्रशासन की समीक्षा करते हुये कहा कि अपमिश्रित खाद्य पदार्थो के लगातार नमूने लेते रहे, अमानक नमूने पाये जाने पर कड़ी कार्रवाही सुनिश्चित की जाये। बैठक में कोरोना के नियंत्रण के लिये किये जा रहे प्रयासों की भी समीक्षा की गई। कमिश्नर ने लोक शिक्षण विभाग की बैठक को संबोधित करते हुये कहा कि शिक्षा की गतिविधियां 21 सितम्बर से शुरू हो रही है। इसके लिये पूरा पैरामीटर के अनुसार व्यवस्थायें सुनिश्चित की जाये। कोरोना के कारण हम शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े है, हमें शिक्षा की रफ्तार को बढ़ाना होगा।

आवारा गोवंश व सांड लोगों को करते हैं घायल, किसानों को खेती नहीं करने देते प्रत्येक ग्राम पंचायत में गौशाला खोलने की मांग

पोरसा। आवारा गोवंश सांडो से लोग परेशान किसान नहीं कर पाते खेती जीविका का संकट शासन नहीं दे रहा ध्यान प्रतेक ग्राम पंचायत में गौशाला खोलने की मांग आवारा गोवंश से शहरी एवं ग्रामीण जनता दुखी हैं ग्रामीण खेती नहीं कर पा रहे शहर में लोगों को सब्जी नहीं खरीदने देते चालकों को भी बाहन नहीं चलाने देता जिससे बाहन चलक परेशान है आवारा गोवंश सड़कों पर रहा करती है निवास सभी लोगों ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में गौशाला खोलने की मांग की है प्रतिदिन लोग परेशान होते हैं शहर में आवारा गोवंश व सांडो से लोग परेशान,,है प्रतिदिन लोग घायल होते हैं आबारा गोवंश व सांड सड़कों पर लड़ते हैं और मोटरसाइकिल को पटक लेते जिससे लोग धायल होते हैं इन पर प्रशासन कोई अंकुश नहीं लगा रहा सब्जी मंडी में प्रतिदिन सब्जी खरीदने वाले धायल होते हैं स्थानीय लोगों ने आवारा गोवंश व सांडो पर अंकुश लगाने की मांग की है सीएमओ नत्थी लाल करोलिया का कहना है कि हम अपने धनेटा गांव में स्थित गौशाला को पुनः शुरू करने का प्रयास कर रहे हैं सी ई ओ रामपाल करजरे का कहना है कि पंचायतों में गौशाला खोलने के लिए प्रस्ताव बनाकर जिला कार्यालय को प्रस्तुत किया जा चुका है जिसमें से छह गौशाला मंजूर की जा चुकी हैं उनका निर्माण शीघ्र ही कराया जाएगा शेष मुरैना में विचाराधीन हैं।

जनता की सेवा करना एक बहुत पुण्य का कार्य है डी के सागर प्रबंधक जिला सहकारी बैंक

पोरसा। विदाई समारोह पर रविंद्र सिंह तोमर को रामायण और गीता दे कर सेवानिवृत्ति पर सम्मान के साथ सम्मान विदाई की गई आज जिला

सहकारी केंद्रीय बैंक में सहकारी सोसायटी भोनपुरा के प्रबंधक रविंद्र सिंह तोमर के सेवानिवृत्त होने पर एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डी के सागर प्रबंधक जिला सहकारी बैंक मुरैना थे अध्यक्षता पूर्व जनपद एवं पूर्व गल्ला मंडी अध्यक्ष नरेश सिंह तोमर द्वारा की गई।

पत्रकार स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना

मुरैना। मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश के पत्रकारों, फोटोग्राफर्स और कैमरामेन के लिये स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना संचालित की जा रही है। इसमें व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा चार लाख रुपये और दुर्घटना बीमा 10 लाख रुपये का होगा। साथ ही व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा दो लाख रुपये और दुर्घटना बीमा चार लाख रुपये का भी विकल्प होगा। पत्रकार चार लाख रुपये अथवा दो लाख रुपये का बीमा करवा सकते हैं। इसमें 21 वर्ष से लेकर 70 वर्ष की उम्र के संचार प्रतिनिधि पात्र होंगे तथा पूर्व से बीमित पत्रकार 80 वर्ष तक के इस योजना के पात्र होंगे। यह बीमा एक साल के लिये किया जायेगा। साठ वर्ष तक के संचार प्रतिनिधि की वार्षिक बीमा किश्त का 75 प्रतिशत और 61 से 70 वर्ष के संचार प्रतिनिधियों के बीमा किश्त का 85 प्रतिशत भुगतान जनसम्पर्क संचालनालय द्वारा किया जायेगा। पति, पत्नी, बच्चों (अधिकतम तीन अविवाहित) एवं माता-पिता को भी निर्धारित प्रीमियम देने पर योजना में शामिल किया जा सकेगा। बीमा पॉलिसी में पहले से विद्यमान सभी बीमारियां शामिल होंगी। जनसम्पर्क संचालनालय के अधिमान्य पत्रकारों के साथ ही संचार संस्थान का फार्म-16 एवं पीपीएफकटौत्रे की स्लिप देने वाले पत्रकारों को भी पूर्वानुसार पात्रता होगी। इस योजना के अन्तर्गत आवेदन आगामी 15 सितम्बर तक किये जा सकेंगे। मध्य प्रदेश के मूल निवासी नई दिल्ली में कार्यरत पत्रकारों को भी योजना में पात्रता होगी। उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा गैर-अधिमान्य पत्रकारों को भी योजना में शामिल करने का निर्णय लिया गया है। इसके अन्तर्गत 50 प्रतिशत प्रीमियम पत्रकार द्वारा और 50 प्रतिशत जनसम्पर्क विभाग द्वारा दिया जायेगा। इस श्रेणी में दैनिक समाचार-पत्र के चार, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक पत्र-पत्रिका और इलेक्ट्रॉनिक एवं वेब मीडिया के दो-दो प्रतिनिधियों को योजना में पात्रता होगी। आरएनआई में रजिस्टर्ड नियमित पत्र-पत्रिकाओं के प्रतिनिधि भी इसमें पात्र होंगे। पॉलिसी के तहत बीमा कंपनी के चिन्हित अस्पतालों में इलाज की कैशलेस व्यवस्था होगी, जिसके लिये पत्रकारों को एक कार्ड और ई-कार्ड भी दिया जायेगा। पुरानी बीमा पॉलिसी 3 अक्टूबर 2020 को समाप्त हो जायेगी।

15 सितम्बर तक किये जा सकेंगे आवेदन

बीड़ी, चूना पत्थर और खदान श्रमिकों के पुत्र-पुत्रियों के लिए शिक्षा हेतु वित्तीय सहायता योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

मुरैना। शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए शिक्षा हेतु वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य के बीड़ी, चूना पत्थर एवं डोलोमाईट, लौह-मैंग्नीज-क्रोम अयस्क खदान श्रमिकों के मान्यता प्राप्त शिक्षण-संस्थाओं में अध्ययनरत पुत्र-पुत्रियों को वित्तीय सहायता योजनांतर्गत कक्षा 1 से उच्च शिक्षा ग्रहण करने पर छात्रवृत्ति व गणवेश की राशि 250 रुपए से अधिकतम 15 हजार रुपए स्वीकृत की जाती है। उपकल्याण आयुक्त केजे मोहन्ती ने बताया कि योजनांतर्गत लाभ प्राप्त करने हेतु पात्र छात्र-छात्राओं हेतु नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, जिसकी अंतिम तिथि 31 अक्टूबर प्री मैट्रिक हेतु एवं पोस्ट मैट्रिक हेतु निश्चित है।

अखिल भारतीय व राज्य सेवा के प्रतियोगी उम्मीदवारों के लिये प्रोत्साहन योजना

मुरैना। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सहायक संचालक द्वारा जानकारी दी गई कि विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्धघुमक्कड़ जनजाति कल्याण विभाग द्वारा अखिल भारतीय, राज्य प्रशासनिक सेवाओं के उम्मीदवारों के लिये प्रोत्साहन योजना संचालित है, जिसके अन्तर्गत मप्र लोक सेवा आयोग एवं संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षाओं में विभिन्न स्तरों में सफलता प्राप्त करने पर निम्नानुसार प्रोत्साहन राशि प्रदाय की जाती है। योजना के अनुसार मप्र लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 20 हजार रुपये, संघ लोक सेवा आयोग की प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 40 हजार रुपये, लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 30 हजार रुपये, संघ लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 60 हजार रुपये और राज्य लोक सेवा आयोग के साक्षात्कार में सफल होने पर 25 हजार रुपये तथा संघ लोक सेवा आयोग के साक्षात्कार में सफल होने पर 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदाय की जाती है।

खुशियों की दास्ताः प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना के तहत मिली इस्लाम को सहायता

फिर से शुरू किया अपना विरयानी लगाने का ठेला

मुरैना। प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना (मुख्यमंत्री पथ विक्रेता योजना) के तहत दस हजार रूपये का ऋण पाकर गणेशपुरा निवासी इस्लाम पुत्र नवाव खॉ विरयानी का ठेला लगाकर बेहद खुश है, इस्लाम कहते है कि वह खैरिज सब्जी मण्डी में विरयानी का ठेला लगाकर अपना और अपने परिवार का गुजर-बसर कर रहा था, परन्तु कोरोना के चलते लॉक डाउन में उसका यह काम-धन्धा पूर्ण पूरी तरह से बंद हो गया था। जमा पूंजी भी रोजमर्रा की जरूरतों के सामान खरीदकर खर्च हो गई थी। मैं आर्थिक रूप से काफी परेशान था। रोजगार को पुनः प्रारंभ करने के लिये मैंने दोस्त यार, आस पड़ौस से कुछ पैसे उधार लेने की सोची

तो किसी ने भी सहयोग नहीं किया। इसके बाद मैं एक साहूकार के पास पहुंचा तो साहूकार ने पहले तो 7 रूपये सैकड़ा ब्याज देने की बात कही फिर ज्यादा अपनी मजबूरी दिखाई तो पांच रूपये प्रतिशत सैकड़ा पर ब्याज पर सहमति बनी। इसके लिये भी साहूकार ने दो दिन बाद का समय दिया। ऐसे में मुझे प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना (मुख्यमंत्री पथ पर विक्रेता योजना) के बारे में साथी ठेला लगाने वालों से पता चला, तो मैंने नगर निगम मुरैना में पहुचकर सिटी मेनेजर श्रीमती रोचलानी से सम्पर्क कर पथ विक्रेता योजना से अपना पंजीयन करवाया। मुझे इस योजना के तहत बैंक द्वारा मेरे खाते में 7 दिन बाद 10 हजार रूपये का ऋण मिल गया। इससे इस्लाम ने अब फिर से बिरयानी का ठेला लगाकर अपना व्यवसाय प्रारम्भ कर दिया। आज वह बेहद खुश है, कि संकट की घड़ी में प्रधानमंत्री स्व निधि स्टेट वेण्डर योजना से उसे मदद मिली और वह अपना काम धन्धा पुनःशुरू कर सका। ऐसे में प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री का शुक्रिया अदा करता हूं।

राज्यसभा सांसद सिंधिया आज मेहगांव में

भिंड। राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया 10 सितम्बर 2020 को एक दिवसीय प्रवास पर मेहगांव पधार रहे है। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया 10 सितम्बर 2020 को स्पेशल प्लेन द्वारा प्रातः10 बजे दिल्ली से रवाना होकर प्रातः11 बजे ग्वालियर एयरपोर्ट पहुंचेगे। इसके बाद श्री सिंधिया प्रातः11.35 बजे एयरपोर्ट ग्वालियर से हैलीकाप्टर द्वारा दोपहर 12 बजे मुरैना जिले के दिमनी, पहुंचेगे। इसके बाद दोपहर 1.30 बजे दिमनी से हैलीकाप्टर द्वारा दोपहर 1.45 बजे मुरैना जिले के पोरसा (अम्बाह) आएंगे। उसके बाद श्री सिंधिया अपरान्ह 3.15 बजे पोरसा (अम्बाह) से हैलीकाप्टर द्वारा रवाना होकर अपरान्ह 3.30 बजे भिण्ड जिले के मेहगांव पधारेंगे। श्री सिंधिया मेहगांव में स्थानीय कार्यक्रमो में शामिल होने के उपरांत सायं 5 बजे मेहगांव से हैलीकाप्टर द्वारा रवाना होकर सायं 5.30 बजे ग्वालियर पहुंचेंगे।

लोक सेवा प्रदाय गारंटीः खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण की सेवाएँ देने की अवधि अब 15 दिन

मुरैना। लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम के तहत खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की पूर्व में जारी अधिसूचना में कुछ पहलुओं को विलोपित करते हुए नये सिरे से अधिसूचना जारी की है। जिसमें खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग की सेवाओं से संबंधित शिकायतों के निराकरण की अवधि 15 दिवस की गई है। प्रथम अपील प्रकरण में भी निराकरण की सीमा 15 दिवस होगी। राज्य शासन द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदाय की गारंटी अधिनियम के तहत खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण सेवाओं के अन्तर्गत केरोसीन के थोक विक्रेता एवं अर्द्ध थोक विक्रेताओं की अनुज्ञप्ति, नाप्था विक्रय हेतु अनुज्ञप्ति, नाप्था अनुज्ञप्ति का नवीनीकरण, विलायक रेफिनेट एवं स्लॉप के व्यापारी को अनुज्ञप्ति जारी करने, विलायक, रेफिनेट की अनुज्ञप्ति की नवीनीकरण संबंधी प्रकरणों के लिये कलेक्टर पदाभिहित अधिकारी के रूप में 15 दिन में आवेदन पर कार्रवाई करेंगे। प्रकरण में प्रथम अपीलीय अधिकारी संभागीय आयुक्त एवं द्वितीय अपील अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण होंगे। उचित मूल्य दुकानों के आवंटन, उचित मूल्य दुकान के नवीनीकरण संबंधी प्रकरणों पर जिला मुख्यालय के नगरीय क्षेत्र के जिला आपूर्ति अधिकारी, नियंत्रक अधिकारी एवं जिला मुख्यालय को छोड़कर अन्य क्षेत्रों के संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पदाभिहित अधिकारी के रूप में दुकान के आवंटन हेतु प्रसारित विज्ञप्ति के अनुसार अंतिम दिन से 15 दिन में सुनवाई का निराकरण करेंगे।

मुख्यमंत्री के आने की तैयारियों का कलेक्टर ने लिया जायजा

मुरैना। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 10 सितम्बर 2020 को विधानसभा क्षेत्र दिमनी, अंबाह विधानसभा क्षेत्र के पोरसा, 12 सितम्बर को विधानसभा क्षेत्र मुरैना, सुमावली के ग्राम छेरा एवं जौरा विधानसभा क्षेत्र के कैलारस मुख्यालय पर आयेंगे। मुख्यमंत्री जी के आगमन के पूर्व समस्त

व्यवस्थाओं का कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया ने बुधवार को स्थल पर पहुंचकर सभा स्थल, हेलीपैड का जायजा लिया। कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री 10 सितम्बर को दिमनी विधानसभा क्षेत्र में 85 करोड़ 89 लाख रूपये का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री अंबाह विधानसभा क्षेत्र के पोरसा में 101 करोड़ रूपये लागत से 30 निर्माण कार्यो का भूमिपूजन एवं 3 निर्माण कार्यो का लोकार्पण करेंगे।

मुख्यमंत्री के दिमनी, पोरसा के भ्रमण को ध्यान में रखते हुये यातायात वाहन अब सिहोंनिया क्षेत्र के अन्तर्गत हुये बड़ागांव से मुरैना की तरफ डायवर्ड किया

मुरैना। दिमनी, पोरसा क्षेत्र में 10 सितम्बर 2020 को मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का भ्रमण कार्यक्रम है। आमजन की असुविधा को देखते हुये सुबह 11 से शाम 5 बजे तक यातायात का डायवर्सन किया गया है। यातायात प्रभारी ने बताया कि भिण्ड से मुरैना की तरफआने वाले यातायात को गोरमी एवं गोहद की तरफसे सिहोंनिया क्षेत्र के अन्तर्गत होते हुये बड़ागांव से मुरैना की तरफडायवर्ड किया गया है। मुरैना से भिण्ड की तरफआने वाले यातायात को बड़ागांव, सिहोंनिया होते हुये गोरमी एवं गोहद की तरफसे भिण्ड की ओर डायवर्सन किया गया है। इन विषम परिस्थितियों में ही दिमनी एवं पोरसा की ओर प्रस्थान करें तथा भारी एवं बड़े वाहन इस क्षेत्र में पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज मुरैना जिले के रतीरामपुरा और पोरसा में आयेंगे

मुरैना। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 10 सिम्बर 2020 को प्रातः 10.30 भोपाल वायुयान से प्रस्थान कर पूर्वान्ह 11.30 बजे ग्वालियर एअरपोर्ट आयेंगे। मुख्यमंत्री ग्वालियर एअरपोर्ट से 11.35 बजे हेलीकॉप्टर से प्रस्थान कर दोपहर 12 बजे मुरैना जिले के दिमनी के ग्राम रतीमपुरा आयेंगे। मुख्यमंत्री वहां स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 1.30 बजे दिमनी से प्रस्थान कर हेलीकॉप्टर से 1.45 बजे अंबाह की विधानसभा पोरसा गल्लामंडी पहुंचेंगे। वहां स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेने पश्चात् मुख्यमंत्री 3.15 बजे पोरसा से भिण्ड जिले के मेहगांव के लिये रवाना होकर 3.30 बजे मेहगांव पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री 3.30 बजे मेहगांव के स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेने के पश्चात् 5 बजे मेहगांव से ग्वालियर के लिये प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री 5.30 बजे ग्वालियर पहुंचकर 5.45 बजे ग्वालियर वायुयान द्वारा भोपाल के लिये प्रस्थान करेंगे।

नगर पालिक निगम मुरैना के प्रशासक चंबल कमिश्नर आर.के. मिश्रा ने पदभार संभाला

मुरैना । मध्यप्रदेश शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्रालय द्वारा उप सचिव श्री राजीव निगम ने बताया कि कतिपय

कारणों से नगरीय निकायों के निर्वाचन कार्य पूर्ण नहीं हो सकें। इसलिये राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया है कि नगरीय निकाय एवं नगर पालिक निगम में अधिनियम 1956 की धारा 426ए के तहत निर्वाचित परिषद का कार्यकाल समाप्त होने की स्थिति में आम निर्वाचन संपन्न होने व नवीन निगम परिषद द्वारा कार्यभार ग्रहण करने तक समस्त शक्तियों एवं कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिये प्रशासक नियुक्त किये जाते है। आदेश के तहत नगर पालिक निगम मुरैना के परिषद का कार्यकाल 8 सितम्बर 2020 को पूर्ण होने पर अब चंबल कमिश्नर श्री आरके मिश्रा ने बुधवार को प्रातः पदभार ग्रहण कर लिया है।

खजुराहो के मंदिरों के मूर्तिशिल्प में जीवन का हर रंग

खजुराहो के मंदिर विश्व के लिए अनुपम भेंट हैं। इसके मूर्तिशिल्प में जीवन का हर रंग बड़ी सुंदरता के साथ चित्रित है। यहां भवन निर्माण कला और मूर्तिकला का अद्भुत समन्वय दिखाई पड़ता है। सभी मंदिरों और मूर्तियों में ग्रेनाइट और बलुआ पत्थरों का प्रयोग हुआ है। मूर्तिकला के ऐसे कई फलक हैं जिन पर सामाजिक जीवन, नृत्य संगीत और प्रणय के मनोहारी चित्र देखे जा सकते हैं।

ये मंदिर आठ किलोमीटर क्षेत्र में फैले हैं। इन्हें तीन हिस्सों में बांटा जा सकता है। पश्चिमी क्षेत्र में सर्वाधिक और महत्वपूर्ण मंदिर हैं। यहां चौंसठ योगिनी, कंदरिया, महादेव मंदिर, देवी जगदंबा, चित्रगुप्त, विश्वनाथ मंदिर, वराह और नंदी मंदिर हैं। दक्षिणी हिस्से में हुलादेव मंदिर और चतुर्भुज मंदिर हैं। पूरब की ओर सभी जैन मंदिर हैं जैसे पार्श्वनाथ मंदिर, आदिनाथ मंदिर, शांतिनाथ मंदिर और हिंदू मंदिरों में जावरी मंदिर, वमण मंदिर और हनुमान मंदिर भी है। सभी मंदिर ठोस और ऊंचे चबूतरे पर बने हैं। मंदिर का प्रवेश द्वार वास्तुशिल्प का अनूठा उदाहरण है। कंदरिया महादेव का मंदिर खजुराहो का विशिष्ट मंदिर है। मुख्य भवन में संगमरमर से बना शिवलिंग स्थापित है। मंदिर का मुख पूरब की ओर है और दूसरा प्रवेश द्वार सिर्फ एक चट्टान से बनाया गया है। बगल में ही देवी जगदंबा का मंदिर है। यह पहले भगवान विष्णु को समर्पित था। मगर बाद में इस मंदिर में देवी की मूर्तियों के कारण इसका नाम जगदंबा रख दिया गया।विश्वनाथ मंदिर का निर्माण राजा

धनंगदेव ने कराया था। उन्होंने इस मंदिर में एक शिवलिंग स्थापित कराया था। पन्ने और एक पत्थर के मिश्रण से बना वह शिवलिंग आज नहीं है। मंदिर के शिखर का आकार शंकु की तरह है। दुलादेव मंदिर को बना अंतिम मंदिर माना जाता है। यहां नाचती अप्सराओं की मूर्तियों और तैरती आकृतियां बनी हैं। इस मंदिर में बाकी मंदिरों की तरह गर्भगृह, अंतराल, महामंडप के अतिरिक्त मूर्तियों की तीन चौड़ी पट्टियां हैं। लक्ष्मण मंदिर में मूर्तिकार ने एक के ऊपर एक मूर्तियां बनाई हैं। इन सभी मंदिरों में आंतरिक और बाहरी दीवारों को तराशा गया है।खजुराहो के मंदिरों में चंदेल काल के सामाजिक जीवन के अलावा नृत्य और संगीत की छटा दिखती है। उस काल की अर्थव्यवस्था और धार्मिक स्थित कि भी विस्तृत जानकारी मिलती है। कहीं नृत्य की मुद्रा में संगीत वादन करती नारी की मूर्तियां दिखाई देती हैं। तो कहीं मुग्धा स्त्री आइने में खुद को निहारती दिखती है। कहीं कोई नारी सिंदूर और काजल लगाती दिखती है। मुख्य मंदिर की दीवारों पर प्रणयरत युगलों की मूर्तियां बरबस मन मोह लेती हैं। संभवतः इसलिए न केवल भारतीय अपितु विदेशी पर्यटक भी यहां खिंचे चले आते हैं।

पर्यटकों को लुभाती बुरहानपुर की संस्कृति व धरोहरें

रासतों की भूमि रही है बुरहानपुर, जहां की यात्रा निश्चित ही आपके लिए अनोखा अनुभव रहेगा। मुगल बादशाह शाहजहां की प्रिय बेगम मुमताज महल का देहांत भी यहीं हुआ था। माना जाता है कि यहां के काले ताजमहल से प्रेरणा लेते हुए ही आगरा में ताजमहल का निर्माण कराया गया। यहां के इतिहास से रूबरू होने के लिए बड़ी संख्या में देश-विदेश के पर्यटक आते हैं। बुरहानपुर जिले में करीब 158 धरोहरें गिनाई जाती हैं, हालांकि पुरातत्व

व पर्यटन की सूची में अभी तक इनमें से कुछ ही सूचीबद्ध हो सकी हैं। भगवान श्रीराम ने अपने वनवास काल में ताप्ती तट के जितने क्षेत्र में भ्रमण किया, उसका स्कंद पुराण के ताप्ती महात्म्य में उल्लेख है। ताप्ती नदी तट के उतने प्रदेश को रामक्षेत्र कहा गया हैं। माना जाता है कि यहां पर श्रीराम ने अपने पिता महाराज दशरथ का पिंडदान भी किया और शिवलिंग की स्थापना भी की। यह स्थान वर्तमान में नागझिरी घाट कहलाता है। इस घाट पर 12 शिव मंदिर हैं, जिन्हें द्वादश ज्योतिर्लिंग का स्वरूप माना जाता है। यहां श्रीराम झरोखा मंदिर में श्रीराम, लक्ष्मण, जानकी की प्रतिमा वनवासी रूप में विद्यमान है। यह स्थान पुरातन समय में संतों, महात्माओं को खूब आकर्षित करता रहा। उन्होंने इसी स्थान को अपनी साधनास्थली बनाया। प्राचीन समय में यह शहर जैन नगरी के रूप में भी जाना जाता था, जहां काष्ठकला की अनुपम कारीगरी से सुसज्जित अनेक जैन मंदिर विद्यमान थे। इन्ही में एक भगवान प्रार्श्वनाथ का मंदिर अपनी उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध था। 1857 ई. में घटित भयानक अग्निकांड में यह मंदिर पूरी तरह जल गया था। इसके पश्चात यहां नए मंदिर का निर्माण किया गया। मंदिर के प्रवेश द्वारा पर संगमरमर पर बहुत ही कलात्मक नक्काशी उकेरी गई है। मंदिर के भीतर छह खंभे हैं। इन पर बेलबूटे उत्कीर्ण हैं। यहां चार तीर्थंकरों की प्रतिमाएं प्रतिष्ठित हैं। दूसरे हिस्से में देवी लक्ष्मी व सरस्वती की मूर्तियां हैं। अंदर जाने वाला मार्ग तीन प्रवेश द्वारों से युक्त है। मंदिर के सभी मंडपों की छत पर कांच की अद्धितीय चित्रकारी दर्शकों का मन मोहन लेती है। इसमें भगवान शांतिनाथ के 12 चित्रों के साथ 24 जैन तीर्थंकरों के चित्रों को उकेरा गया है। मंदिर के बाहरी हिस्से में एक और मंदिर निर्मित है, जो लगभग 60 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। इसके मध्य भाग में भगवान शांतिनाथ की चतुर्मुखी प्रतिमा स्थित है। बुरहानपुर शहर सिख समाज का भी धार्मिक पर्यटन स्थल रहा है। यहां पर सिखों के प्रथम श्री गुरु नानकदेव जी महाराज एवं दसवें श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज पधारे थे। कुछ समय वे यहां पर रहे और धर्म-ज्ञान की अलख जगाई। आज भी यहां पर राजघाट और लोधीपुरा में बड़ा गुरुद्वारा स्थित है, जहां प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु मत्था टेकने आते हैं। यह गुरुद्धारा अमृतसर से नांदेड़ के बीच सिख समाज का एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थान है। यहां सिख समाज के 10वें गुरु गोविंद सिंह जी महाराज ने सन् 1708 में पंजाब से नांदेड़ गमन के दौरान छह माह नौ दिन निवास कर अपने श्रीमुख से उच्चारित और संत हठेसिंहजी से लिखवाए गए गुरु ग्रंथ साहेब पर आपने हस्ताक्षर कर इसे अमर बना दिया। यहां श्री गुरूगंथ साहेब की सुनहरी बीड होने से यह स्थल अत्यंत पवित्र हो गया।

सांची के बेमिसाल पर्यटन स्थल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से लगभग 75 किलोमीटर की दूरी पर है एक छोटा सा कस्बा सांची। भोपाल के बस स्टैंड से हर आधा घंटे पर विदिशा के लिए स्थानीय बसें चलती हैं। यह वही विदिशा है जो बौद्ध काल में ईसा से छह सौ वर्ष पहले एक व्यापारिक नगर के रूप में विख्यात था। यह तमाम लोककथाओं के भी केंद्र में रहा है। विदिशा से नौ किलोमीटर पहले ही है सांची। आज विदिशा व्यापारिक शहर बिलकुल नहीं रह गया है, पर बेतवा और बेस नदी के संगम पर स्थित यह स्थान भोपाल-झांसी की मुख्य रेलवे लाइन पर है और सांची तक पहुंचने का दूसरा सुगम रास्ता है। अगर भोपाल विदिशा के बीच की सड़क अच्छी हो और बस बीच के बीसियों गांवों में यात्रियों को न चढ़ाती-उतारती हो तो भोपाल-सांची का रास्ता आसानी से एक घंटे में तय किया जा सकता है।

उज्जैन से मैं करीब 8 बजे चला था और दोपहर दो बजे सांची पहुंच गया। बस कंडक्टर के 'उतरो सांची वाले' की आवाज लगाते ही ड्राइवर ने बस रोकी और मैं उस चौराहे पर उतर पड़ा जहां आसपास नजर डालने से कहीं से भी नजर नहीं आता था कि यह सांची का बस स्टैंड होगा। मेरे अलावा दो और यात्री बस से उतरे और वे एक तरफ बढ़ लिए। सांची के स्टॉप पर उतरने के पहले मैंने सोचा था कि वहां उतरते ही मुझे दो-चार रिक्शे वाले घेर लेंगे और जग प्रसिद्ध स्तूप तक ले जाने के लिए खींचतान करेंगे, पर वहां ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। उसका कारण भी तब समझ में आ गया जब मुझे पता लगा कि जहां मैं उतरा, वहां से सिर्फ कुछ कदम की दूरी पर सांची का संग्रहालय है। वहीं बगल में एक छोटा सा द्वार है, जहां से ऊपर पहाड़ी पर जाने के लिए रास्ता बना है। सीढ़ियां चढ़कर ऊपर पहाड़ी पर पहुंचा जा सकता है और इसी पहाड़ी पर स्थित हैं स्तूप।

खोदा पहाड़, निकले स्तूप

करीब दो सौ वर्ष पहले यहां ऐसा कुछ भी नहीं था। न तो यहां कोई कस्बा था और न ही किसी तरह के कच्चे-पक्के रास्ते। सन् 1818 में ब्रिटिश सेना का जनरल टेलर नाम का एक अधिकारी उत्सुकतावश इस पहाड़ी पर चढ़ गया था। वहां कुछ सुंदर गोलाकार आकृतियां दिखीं। उन्हीं आकृतियों को हम आज स्तूप नंबर एक, दो और तीन के नाम से जानते हैं। ब्रिटिश सेना का यह अधिकारी पहला ऐसा विदेशी था जिसने इन स्तूपों को देखा और दुनिया को उनके बारे में बताया। थोड़े ही समय में यह स्थान घुमक्कड़ों और पुराविदों की दिलचस्पी का महत्वपूर्ण क्षेत्र बन गया।

यहां ली अशोक ने दीक्षा

सांची प्राचीन काल में बौद्ध कला और धर्म का बड़ा केंद्र रहा होगा। इसका अंदाज यहां स्थित स्तूपों को देखकर लगाया जा सकता है। सांची का वर्णन आज सिर्फ श्रीलंका के 'दीपवामसा' और 'महावामसा' नाम के बौद्ध धर्म के दो क्रोनिकल्स में मिलता है। इसके अनुसार सम्राट अशोक एक बार कुछ समय के लिए विदिशा में रहे थे और वहां उन्होंने देवी नाम की व्यापारी कन्या से विवाह किया था। देवी बौद्ध धर्म की अनुयायी थी और अशोक तथा देवी ने मिलकर वहां सांची की इस पहाड़ी पर कई स्तूप बनवाए। अशोक के बाद देवी से उत्पन्न उनके पुत्र महेंद्र ने भी इन स्तूपों का निर्माण जारी रखा। उसने सांची के अलावा कई अन्य जगहों पर भी स्तूपों का निर्माण कराया।

दरवाजों पर खुदी है कथा

सांची का मुख्य आकर्षण यहां का बड़ा स्तूप यानी स्तूप नंबर एक है। लगभग 16 मीटर ऊंचे और 37 मीटर व्यास के इस स्तूप में बुद्ध की कोई मूर्ति नहीं है। कमल, गाछ, पीपल और चक्र के माध्यम से बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति और धर्मोपदेश के दृश्य को पत्थरों पर गढ़ा गया है। स्तूप चारों तरफ से पत्थरों से घेरा गया है। स्तूप के चारों तरफ चार द्वार बने हुए हैं और हर द्वार पर गाथाएं और घटनाएं उत्कीर्ण हैं। पश्चिम द्वार पर बुद्ध के सात जन्मों की कहानी गढ़ी हुई है। बुद्ध यहां प्रतीक के रूप में हैं। बुद्ध का यह प्रतीकात्मक रूप कहीं वृक्ष तो कहीं अश्व में दर्शाया गया है। एक दृश्य में दिखाया गया है कि बुद्ध को दैत्यगण मिलकर प्रलोभन दे रहे हैं। इसी स्तूप के पास अशोक की पत्नी देवी द्वारा निर्मित बौद्ध विहार भी है। स्तूप नंबर तीन में माटी के नीचे पत्थर के बक्से में बुद्ध के शिष्य सारिपुत्र और महामेग गल्लाना के पार्थिव शरीर के अवशेष पाए गए थे। यहां पत्थरों से बने एक विराट पात्र के भी अवशेष हैं। कहा जाता है कि इस पात्र में उस समय भिक्षु लोग मांगी हुई भिक्षा इकट्ठी किया करते थे। इस स्तूप के उत्तर में सिर्फ एक तोरण है। स्तूप नंबर तीन के पीछे चार नंबर स्तूप भी है, जो लगभग नष्ट होने की स्थिति में है।

बिखरा पड़ा है इतिहास

सांची की इस पहाड़ी पर चारों तरफ ऐतिहासिक अवशेष बिखरे पड़े हैं। इतिहास और पुरातत्व के प्रति रुचिशील लोगों के लिए यहां काफी सामग्री उपलब्ध है। टूटे-फूटे बौद्ध विहार और अनगिनत अवशेष। इसी संपदा का कुछ हिस्सा सहेज कर पहाड़ी के नीचे स्थित संग्रहालय में रखा गया है। इस आकर्षक संग्रहालय में सांची और इसके

आसपास बिखरे अतीत के हिस्से को प्रदर्शन के लिए रखा गया है। सिर्फ सांची को देखकर ही काफी थकान होने लगी थी। एक छोटे से हॉल और एक छोटे गलियारे में सिमटा सांची का संग्रहालय थकान दूर करने का आदर्श स्थान है। थोड़ा खा-पी लेने के बाद सांची के आसपास बिखरे इतिहास को देखने के लिए अति उत्साही पर्यटक बढ़ सकते हैं। सांची के आसपास बमुश्किल दस किलोमीटर के दायरे में कई स्तूप और ऐतिहासिक स्थल हैं। दक्षिण-पश्चिम में दस किलोमीटर की दूरी पर सोनारी है, जहां आठ स्तूप हैं। विपाशा के तट पर सातधारा में दो और दक्षिण-पूर्व में आठ किलोमीटर दूर आंघेर में तीन स्तूप हैं। यहीं पास ही भीलसा दुर्ग में भी अशोक के समय के काफी स्मृति चिन्ह हैं। भीलसा से तीन किलोमीटर की दूरी पर उदयगिरि है, जहां बीस बौद्ध विहार हैं।

पेरिस में यूईएफए नेशंस लीग फुटबॉल में खेलती हुई फ्रांस और क्रोएशिया की टीमें।

महामारी के कारण बार्टी फ्रेंच ओपन में खिताब बचाने नहीं खेलेंगी

ब्रिस्बेन। टेनिस की विश्व की शीर्ष खिलाड़ी ऐश बार्टी कोरोना महामारी के प्रकोप के कारण यात्रा असुविधाओं के चलते फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने के लिये नहीं उतरेंगी। बार्टी ने इससे पहले न्यूयार्क में चल रहे यूएस ओपन से भी हटने का फैसला किया था। उन्होंने अब रोम में 14 सितंबर से शुरू होने वाले एक टूर्नामेंट और फिर 27 सितंबर से 10 अक्टूबर तक खेले जाने वाले फ्रेंच ओपन में भी भाग नहीं लेने का फैसला किया है। पिछले साल रोलां गैरां में खिताब जीतने वाली बार्टी ने मंगलवार को जारी बयान में कहा, 'पिछले साल का फ्रेंच ओपन मेरे करियर का सबसे खास टूर्नामेंट था इसलिए मैंने यह फैसला हल्के से नहीं लिया। मैं खिलाड़ियों और फ्रांसीसी महासंघ को सफल टूर्नामेंट के लिये शुभकामना देती हूं।' फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने कहा है कि वह टूर्नामेंट में दर्शकों को आने की अनुमति देंगे जबकि फ्रांस में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। बार्टी ने इसके बाद ही टूर्नामेंट से हटने की घोषणा की।

राजस्थान रॉयल्स ने पानी पुरी बेचने वाले क्रिकेटर पर खेला करोड़ों का दांव

यशस्वी ने नाबाद 319 रन के साथ ही 99 रन पर 13 विकेट लेकर रचा था इतिहास

नई दिल्ली। आईपीएल 2020 के इतिहास की पहली चैंपियन राजस्थान रॉयल्स अक्सर ही युवा खिलाड़ियों पर काफी पैसा लुटाती हैं। फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2020 के लिए 18 साल के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को दो करोड़ 40 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा था। इसका कारण उनके बल्ले की आवाज थी। क्रिकेट के लिए मुंबई में पानी पुरी तक बेच चुके यशस्वी ने अंडर 19 वर्ल्ड कप में भी मैदान पर कोहराम मचाया था। 28 दिसंबर 2001 को उत्तर प्रदेश में जन्में सलामी बल्लेबाज यशस्वी घरेलू क्रिकेट में मुंबई का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह लिस्ट ए क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले दुनिया के सबसे युवा क्रिकेटर हैं। जायसवाल ने एक मात्र फर्स्ट क्लास मैच 2019 में खेला था, जहां उन्होंने कुल 20 रन बनाए थे। वहीं 13 लिस्ट ए मैचों में उन्होंने 779 रन बनाए, जहां उनका सर्वश्रेष्ठ 203 रनों की पारी रही। यशस्वी ने 2015 में नाबाद 319 रन बनाने के साथ ही 99 रन पर 13 विकेट लेकर इतिहास रच दिया था। स्कूल क्रिकेट में यह उनका ऑलराउंड रिकॉर्ड था, जो लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज है। एक समय क्रिकेट के लिए मुंबई में पानी पुरी तक बेच चुके इस खिलाड़ी ने इसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस साल अंडर 19 वर्ल्ड कप में पूरी दुनिया ने भारत के इस उभरते खिलाड़ी की धाक देखी। अंडर 19 वर्ल्ड कप में यशस्वी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। इसमें पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में उनका शतक भी शामिल है। इस साल हुए वर्ल्ड कप में यशस्वी ने श्रीलंका के खिलाफ 59, जापान के खिलाफ नाबाद 29, न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 57, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 62, पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 105 और बांग्लादेश के खिलाफ 88 रन बनाए थे। हालांकि भारत 3 विकेट से फाइनल हार गया था। यशस्वी राजस्थान रॉयल्स के लिए तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं। राजस्थान के ओपनिंग स्लॉट की बात करें तो एक स्लॉट पर तो जोस बटलर की जगह पक्की मानी जा रही है। वहीं दूसरे पर यशस्वी के फॉर्म को देखते हुए मनन वोहरा, रॉबिन उथप्पा या शायद संजू सैमसन जैसे ओपनर की जगह पर उन्हें आजमाया जा सकता है।

जसप्रीत बुमराह रसेल को डाल सकते हैं परेशानी में : गौतम गंभीर

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के स्टार क्रिकेटर आंद्रे रसेल ने पिछले दो आईपीएल सीजन में धमाकेदार बल्लेबाजी की है। इस समय गेंदबाजों के लिए आंद्रे रसेल का सामना करना किसी चुनौती से कम नहीं है। जबकि गौतम गंभीर की मानें तो जसप्रीत बुमराह रसेल को परेशानी में डाल सकता है। गंभीर ने एक शो के दौरान कहा, आईपीएल में 2-3 गेंदबाज ही होंगे जो उसे परेशानी में डाल सकते हैं। मैं शायद जसप्रीत बुमराह जैसे किसी और गेंदबाज को नहीं देखता जो वास्तव में आंद्रे रसेल को परेशान कर सकता है। उन्होंने कहा, केकेआर को बल्लेबाजी क्रम में आंद्रे रसेल को नंबर 5 से नीचे नहीं भेजना चाहिए। बल्लेबाजी की स्थिति एक ओवररेटेड चीज है, 6 गेंदें टी20 क्रिकेट में पूरे मैच को बदल सकती हैं। उन्होंने रसेल के बल्लेबाजी क्रम पर आगे बात करते हुए कहा, इसलिए कई बार यह संभव है, कि आपको इतनी अच्छी शुरुआत मिली है, कि आप रसेल को मॉर्गन से भी आगे भेज सकते हैं। मॉर्गन के बाद उसे भेजना आवश्यक नहीं है। आप उसे नंबर 4 पर भी भेज सकते हैं, इसकी बजाय कि आप उसे नंबर 5 या नंबर 6 से ऊपर नहीं भेजेंगे। गौर हो कि रसेल ने पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स को अपने दम पर कई मैचों में जीत दिलाई थी।

इस दाएं हाथ के

100 अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले पहले यूरोपीय खिलाड़ी बने रोनाल्डो

बार्सिलोना। पुर्तगाल के कप्तान और बार्सिलोना के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो 100 अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले विश्व के दूसरे और यूरोप के पहले फुटबॉलर बने हैं। इससे पहले ईरान के अली दाई के नाम 100 गोल का रिकार्ड था। रोनाल्डो ने 165 मैचों में अपने अंतरराष्ट्रीय गोल का शतक पूरा किया है। रोनाल्डो ने स्वीडन के खिलाफ हुए यूईएफए नेशंस लीग मैच में दो गोल कर यह अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही अब उनके नाम 101 अंतरराष्ट्रीय गोल हो गये हैं। पुर्तगाल ने यह मैच 2-0 से जीता है। रोनाल्डो ने अपना 100वां गोल फ्री-किक के जरिए किया। फ्री-किक के जरिये यह उनके करियर का 57वां गोल था। उन्होंने पुर्तगाल के लिए फ्री-किक से 10 गोल किये हैं जबकि बाकी के 47 गोल अलग-अलग क्लबों के लिए किये हैं। इस स्टार खिलाड़ी ने अपने 100 में से 17 गोल मैत्री मैचों में किए हैं। उन्होंने लिथुआनिया के खिलाफ सात, स्वीडन के खिलाफ छह, अंडोरा, अर्मेनिया, लाटविया और लक्जमबर्ग के खिलाफ 5-5 गोल किए हैं। रोनाल्डो के नाम छह हैटट्रिक भी हैं। रोनाल्डो ने फीफा विश्व कप में सात जबकि यूईएफए यूरो में नौ गोल किए हैं। रोनाल्डो के बाद सबसे अधिक गोलों के मामले में भारतीय टीम के कप्तान सुनील छेत्री का नंबर आता है। छेत्री के नाम 72 गोल हैं। तीसरे नंबर पर मौजूद लियोनल मेसी ने 70 अंतरराष्ट्रीय गोल किये हैं।

गिरजा/ईएमएस 09सितंबर 2020

पांड्या की पत्नी नताशा ने बेटे अगस्त्य के साथ साझा शेयर की प्यारी तस्वीर, प्रशंसकों ने सराहा

नई दिल्ली। टीम इंडिया के हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पांड्या की पत्नी नताशा की एक फोटो सोशल मीडिया पर धमाल मचा रही है। जहां उनकी नई तस्वीर प्रशंसकों खूब पसंद आ रही है। मालूम हो, नताशा इंस्टा पर बेहद मशहूर है और उनके 2.1 मिलियन से ज्यादा फालोअर्स हैं। वहीं नताशा इंस्टाग्राम पर भी काफी एक्टिव हैं। दरअसल, नताशा ने अपने इंस्टा अकाउंट पर फोटो शेयर करते दिल वाली इमोजी बनाई है। जहां पांड्या की पत्नी ने अपने बेटे के साथ एक खूबसूरत तस्वीर साझा की है। जहां उन्होंने अगस्त्य को अपने गोद में उठाया हुआ है। जिसके बाद हार्दिक ने कमेंट करते हुए लिखा- डोब्रो...जिसके बाद प्रशंसकों ने नताशा की इस फोटो पर खूब कमेंट किए। आपको बता दें कि इससे पहले कपल ने लॉकडाउन के दौरान अपनी कई रोमांटिक तस्वीरें भी शेयर की थी। नताशा स्टेनकोविक ने अपने बेबी बंप को फ्लॉन्ट करते हुए कई तस्वीरें शेयर की। तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने हार्दिक पांड्या को भी टैग किया था। नताशा स्टेनकोविक और हार्दिक पांड्या ने 31 मई 2020 को अभिनेत्री अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स से इस बात की जानकारी दी थी कि वो माता-पिता बनने वाले हैं।

एथलेटिक्स कोच पूनिया कोरोना संक्रमित

नई दिल्ली। एथलेटिक्स कोच और पूर्व अंतरराष्ट्रीय हैमर थ्रो खिलाड़ी वीरेंदर पूनिया को कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव पाये जाने के बाद जयपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस पूर्व ओलंपियन ने कहा ,'' पिछले सप्ताह मेरे शरीर में दर्द होने के साथ ही गला भी खराब हो गया। मैने कोरोना जांच कराई जो पॉजिटिव निकली पर अब मेरी सेहत ठीक है हालांकि गले और शरीर में अभी दर्द है पर शीघ्र बेहतर होने की उम्मीद है। अभी चार पांच दिन में फिर जांच होगी।'' वीरेंदर ने साल 1992 में एशियाई जूनियर चैम्पियनशिप के हैमर थ्रो में कांस्य पदक जीता था। इसके साथ ही साल 1998 में एशियाई सीनियर चैम्पियनशिप में भी वह चौथे स्थान पर रहे थे। उन्हें साल 2012 में द्रोणाचार्य पुरस्कार मिला था।

कमजोरी के साथ खुले बाजार

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से बुधवार के कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई है। सेंसेक्स में करीब 340 अंकों की गिरावट देखने को मिल रही है। दिग्गज शेयरों के साथ ही मिडकैप शेयरों में भी कमजोरी देखने को मिल रही है। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स करीब 1 फीसदी की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहा है। इसके साथ ही स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली दिख रही है। बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स 1.17 फीसदी की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहा है। तेल-गैस शेयरों में भी आज कमजोरी नजर आ रही है। बीएसई का ऑयल एंड गैस इंडेक्स 1.35 फीसदी की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहा है। बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स करीब 220 अंक की कमजोरी के साथ 38,145 के आसपास कारोबार कर रहा है।

वहीं एनएसई का 50 शेयरों वाला प्रमुख इंडेक्स निफ्टी करीब

50,000 रुपये में ले शानदार ऑटम 1.0 इलेक्ट्रिक बाइक का आंनद

नई दिल्ली। हैदराबाद की इलेक्ट्रिक वीकल कंपनी ऑटोमोबाइल प्राइवेट लिमिटेड एक धांसू इलेक्ट्रिक बाइक लेकर आई है। इलेक्ट्रिक बाइक का नाम ऑटम 1.0 है। बाइक का बेस प्राइस 50,000 रुपये है। ऑटम1.0 इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नॉलाजी अप्रूव्ड लो-स्पीड इलेक्ट्रिक बाइक है। इस इलेक्ट्रिक बाइक के लिए कोई रजिस्ट्रेशन या इसे चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस की जरूरत नहीं है। इस इलेक्ट्रिक बाइक को भारतीय ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। ऑटम 1.0 इलेक्ट्रिक बाइक में पोर्टेबल लिथियम-ऑयन बैटरी दी गई है, जो कि 4 घंटे से कम में फुल चार्ज हो जाती है। कंपनी का दावा है कि फुल चार्ज होने

ऑडी त्यौहारी सीजन में एसयूवी क्यू2 को भारतीय बाजार में उतारेगी

नई दिल्ली। लक्जरी कार कंपनी ऑडी त्यौहारी सीजन में एसयूवी क्यू2 को भारतीय बाजार में उतारेगी। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को जानकारी देकर कहा कि क्यू2 को अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े में या नवंबर की शुरुआत में भारतीय बाजार में उतारा जाएगा। उन्होंने कहा कि त्यौहारी सीजन में वाहनों की मांग में बढ़ोतरी का लाभ उठाने के लिए कंपनी मॉडल पेश करने जा रही है। मॉडल के लिए कंपनी सरकार के उस प्रावधान का इस्तेमाल कर रही है जिसमें कुल 2,500 कारों को आयात कर भारत में बेचने की अनुमति है इस मॉडल के द्वारा कंपनी का उन युवा ग्राहकों को लक्ष्य करने का इरादा है जो पहली बार लक्जरी वाहन खरीदना चाहते हैं। इसके अलावा कंपनी अपने मौजूदा ग्राहकों को भी लक्ष्य करेगी जो अपने पुराने ऑडी वाहन को बदलना चाहते हैं या परिवार के लिए अतिरिक्त कार खरीदना चाहते हैं। ऑडी इंडिया के प्रमुख ने कहा,हम भारत चरण-चार से भारत चरण-छह उत्सर्जन मानकों को स्थानांतरण कर रहे हैं, लेकिन हमारे पास काफी कम मॉडल उपलब्ध हैं। हम अधिक मात्रा में बिक्री वाले मॉडल क्यू2 को भारत ला रहे हैं। इसके बाद हम और मॉडल भी लाएंगे। इस मॉडल को कुछ समय पहले वैश्विक स्तर पर पेश किया गया था। अंततः अब हम इसे भारत ला रहे हैं।''

स्व-निधि संवाद : प्रधानमंत्री ने किया पथ विक्रेताओं से वर्चुअल संवाद

ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा पथ विक्रेताओं की मदद करने में मध्यप्रदेश पूरे देश में अग्रणी

ग्वालियर। प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना के तहत मध्यप्रदेश में एक लाख 40 हजार जरूरतमंदों को 10 हजार रूपए के मान से लोन प्रदान किया है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने इतनी बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को रोजगार हेतु योजना के तहत ऋण प्रदान किया है। इस योजना से कोविड-19 के संक्रमण के कारण जिन छोटे-छोटे व्यवसाइयों को व्यवसाय करने में परेशानियां आ रही थीं उन्हें एक नया संबल मिला है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बुधवार को इंटक मैदान पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वनिधि संवाद कार्यक्रम के पश्चात हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति पत्र वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में यह बात कही। कार्यक्रम में मण्डल अध्यक्ष श्री प्रयाग तोमर सहित जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी एवं स्वनिधि योजना के हितग्राही उपस्थित थे। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान हाथ ठेला, गुमटी के साथ ही ठेले पर सामान बेचने वाले छोटे-छोटे दुकानदारों को आर्थिक मदद देने के लिये प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना प्रारंभ की गई है। योजना के

तहत 10 हजार रूपए का ऋण मुहैया कराया गया है। ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र में लगभग 5 हजार परिवारों को इसका लाभ मिला है। योजना के अंतर्गत जो भी पात्र दुकानदार हैं उन्हें लाभ दिलाया जायेगा। मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कार्यक्रम में 428 हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति पत्र भी वितरित किए। इसके साथ ही पात्रता पर्ची में शामिल परिवारों को भी स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों के उत्थान के लिये प्रदेश सरकार द्वारा अनेक कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इन योजनाओं के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने का कार्य भी प्राथमिकता से किया जा रहा है। आम जनों के हितार्थ सरकार तेजी से कार्य कर रही है। ज्ञात हो ग्वालियर जिले में प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर योजना के तहत अब तक 7 हजार 984 हितग्राहियों के प्रकरण मंजूर हो चुके हैं। इनमें से 5 हजार 542 पथ विक्रेताओं को 10 ङ्क 10 हजार रूपए की आर्थिक सहायता वितरित की जा चुकी है।

ठाठीपुर के सी-ब्लॉक में भी प्रधानमंत्री का सीधा प्रसारण सुना गया

नगर निगम द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत प्रधानमंत्री द्वारा हितग्राहियों से सीधा संवाद किया गया। ठाठीपुर के सी-ब्लॉक में भी बड़ी स्क्रीन लगाकर हितग्राहियों को प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए संबोधन को सुनवाया गया। इस मौके पर जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और योजना से जुड़े हितग्राही शामिल थे।

ग्वालियर में पोस्ट ऑफिस में पैसे जमा कराने के नाम पर 51 लाख की ठगी

ग्वालियर। शहर की मुरार थाना पुलिस ने दो ऐसे लोगों को विरुद्ध अमानत में खयानत का मामला दर्ज किया है जो लोगों से पोस्ट ऑफिस में जमा कराने के नाम पर पैसा कलेक्ट करते थे लेकिन जमा नहीं करते थे। खबर है कि दोनों आरोपियों ने कई लोगों के साथ ऐसा किया है पुलिस के जानकारों ने बताया कि आरोपी राजेश गुप्ता और समर गुप्ता ने लोगों के साथ धोखाधड़ी की है। बताया गया है कि दोनों ने मिलकर खुद को लोगों के सामने पोस्ट ऑफिस का एजेंट बताया और लोगों का भरोसा जीतकर पैसा कलेक्ट करने लगे। इन दोनों ने मिलकर मोहन बाबू, आकाश गर्ग, प्रहलाद, राहुल आनंद, प्रेमचंद आदि से 51 लाख

रुपए उनके पोस्ट ऑफिस के खातों में पैसा जमा कराने के नाम पर ले-लिए लेकिन एक पैसा भी जमा नहीं किया। जब ये लोग पैसा निकालने पोस्ट ऑफिस गए तब हकीकत का पता चला। पुलिस ने सभी की फरियाद पर आरोपियों के विरुद्ध अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर लिया है। ये भी पता लगाया जा रहा है कि दोनों ने और कितने लोगों के साथ ठगी की है।

निर्माणाधीन मकान और दुकान में चोरी

ग्वालियर। शहर के विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र में स्थित हरिशंकर पुरम में एक निर्माणाधीन मकान से चोर ?50000 कीमत का सामान चोरी कर ले गए पुलिस ने चोरों की तलाश प्रारंभ कर दी है वहीं जनक गंज थाना क्षेत्र के समाधिया कॉलोनी निवासी वरुण विजयवर्गीय् की पूजा जनरल स्टोर के नाम से दुकान है बीती रात चोरों ने उनकी दुकान के ताले चटका दी और दुकान में रखी 7000 की नकदी तथा कीमती सामान चोरी कर ले गए पुलिस ने जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

महिला के खाते से 66 हजार निकाले

ग्वालियर। शहर के तारागंज में रहने वाली एक महिला के खाते से 66 हजार 500 रुपए की राशि किसी ने निकाल ली महिला ने इस संबंध में शिकायती आवेदन पुलिस कप्तान को दिया! एसपी ने क्राइम ब्रांच को मामले की जांच के आदेश दिए हैं! जानकारी के अनुसार तारागंज निवासी शिवानी भीलबार नर्स हैं बीते रोज उनके मोबाइल पर मैसेज आया कि उनके खास से से 66 हजार ?500 की राशि निकाली गई उन्होंने जब अपना एटीएम कार्ड देखा तो वह गायब था इसके बाद महिला ने एसपी ऑफिस में आकर शिकायती आवेदन दिया पुलिस कप्तान ने क्राइम ब्रांच को मामले की जांच करने के निर्देश दिए हैं!

जेसी सप्ताह का जेसीआई ग्वालियर आदर्श द्वारा आगाज़

ग्वालियर(अर्पित गुप्ता)

कोरोना महामारी के कारण इस जेसीआई ग्वालियर आदर्श, जेसीआई इंडिया की गाइडलाइन के अनुसार कुछ कार्यक्रम वर्चुअल एवं कुछ कार्यक्रम सीमित सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित कर रहे है।जेसी वीक के पहले दिन 3000 मास्क का वितरण ग्वालियर बस स्टैंड पर जेसी वीक कार्यक्रम संयोजक जेसी कपिल मुद्गल द्वारा किया गया जिसमें संस्था कि ओर से अध्यक्ष जेसी विवेक खंडेलवाल, संस्था मेंटोर जेसी अंजली बत्रा, जेसी रोहित शर्मा,ज्योदित्य राज सिंह एवं जेसी नितिन अग्रवाल विशेष रूप से मौजूद रहे। साथ ही ऑनलाइन वीडियो कॉन्टेस्ट जिसमें जेसी सदस्यों को टॉपिक हमारे जीवन पर जेसीआई का सकारात्मक प्रभाव पर 90 सेकेंड्स की वीडियो बनाकर फेसबुक पेज पर जेसीआई आदर्श के पेज को टैग करते हुए भेजनी है। जेसी वीक के दूसरे दिन का कार्यक्रम नई सड़क पर वॉटर कूलर की स्थापना,पी पी ई किट वितरण एवं जल बचाव के लिए सेव वॉटर लाइफ के स्टकर का शहर भर मै चस्पा।

अवैध उत्खान एवं परिवहन करने वालों के विरूद्ध करें सख्त कार्यवाही - ओझा

अधिकारियों की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

ग्वालियर। संभाग आयुक्त एमबी ओझा ने शासन के प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए योजनाओं के तहत् पात्र एवं जरूरत मंद हितग्राहियों को तत्परता के साथ लाभ पहुंचाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। न्यू कलेक्ट्रेट दतिया के सभाकक्ष में बुधवार को आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस महानिरीक्षक चंबल श्री मनोज शर्मा, कलेक्टर श्री संजय कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौर सहित अधिकारीगण उपस्थित थे। श्री ओझा ने कोविड-19 की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि कोरोना पॉजीटिव भर्ती मरीजों को उपचार के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो और उनका समुचित उपचार हो। उन्होंने कहा कि जिले में किसी भी स्थान से बाढ़ एवं अतिवृष्टि के कारण नुकसान की सूचना प्राप्त होने पर तत्परता से सर्वे कर पीड़ितों को राहत राशि उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी हालात में अवैध उत्खनन एवं परिवहन न हो। अवैध उत्खनन एवं परिवहन करने वालों के विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही की जाए। संभाग आयुक्त ने दतिया जिले के भाण्ड़ेर में 13 सितम्बर को मुख्मयंत्री जी के प्रस्तावित कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पोषण अभियान के तहत लगा पोषण मेला

जिलेभर के आंगनबाड़ी केन्द्रों में गतिविधियाँ जारी

ग्वालियर। भारत सरकार एवं प्रदेश के महिला व बाल विकास विभाग के दिशा-निर्देशों के तहत ग्वालियर जिले में भी महिलाओं और बच्चों के पोषण स्तर की बेहतरी के उद्देश्य से सितम्बर माह को पोषण माह के रूप में मनाया जा रहा है। इस कड़ी में विकासखण्ड घाटीगाँव के ग्राम पनिहार में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ब्रिटानिया न्यूट्रेशन फाउण्डेशन की मदद से पोषण मेले का आयोजन किया गया। गर्भवती माताओं की गोद भराई भी

इस अवसर पर की गई। पोषण मेले में पर्यवेक्षक श्रीमती ऊषा पाण्डेय एवं न्यूट्रीशन फाउण्डेशन की टीम ने महिलाओं को पोषण के महत्व के बारे में बताया। महिलाओं को बताया गया कि गर्भावस्था में आयरन की गोली नियमित रूप से खाना चाहिए। साथ ही जन्म के तुरंत बाद बच्चे को स्तनपान भी कराएँ। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला-बाल विकास श्री राजीव सिंह ने बताया कि जिले में कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए आंगनबाड़ी केन्द्र एवं सेक्टर स्तर पर पोषण अभियान की गतिविधियाँ आयोजित हो रही हैं। माह के प्रथम सप्ताह में गर्भवती एवं धात्री माताओं के लिये विविध कार्यक्रम पोषण अभियान के तहत आयोजित किए गए। दूसरे सप्ताह में 6 माह से दो वर्ष तक के बच्चों के लिये विभिन्न केन्द्रों पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान 6 माह तक के बच्चों का अन्नप्रासन कराया जा रहा है। साथ ही माताओं को ऊपरी आहार की शुरूआत करने और 2 वर्ष की उम्र तक के बच्चों को स्तनपान जारी रखने की समझाइश भी दी गई। अभियान के तहत आंगनबाड़ी केन्द्रों पर ग्रामवासियों का सहयोग लेने के लिये एक पोषण मटका रखा गया। जिसमें ग्रामवासियों द्वारा पौष्टिक खाद्यान्न, सब्जी आदि के रूप में दी जा रही है। यह सामग्री आंगनबाड़ी केन्द्र के हितग्राहियों के घर पर भोजन में उपयोग के लिये पहुँचाई जा रही है।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ
पुष्पांजली टुडे
क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक
डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु
नि:शुल्क
बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रंद्धाजलि शोक संदेश उठावनी
संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

प्रतिभा हम निखारेंगे
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी लेख कविताओं को हम देंगे जगह, आपके अंदर की प्रतिभाओं को हम उभरेंगे। तो देर किस बात की अभी हमे भेंजे अपनी कविता,लेख,कहानी,या फिर देख की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार आप हमें व्हाट्सएप या मेल कर सकते है।
हमारा उद्देश्य - भारत को में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकलना।
पुष्पांजली टुडे
E-mail - pushpanjalitoday@gmail.com
Whatsapp :- 8269307478,7999246560,9691270207
नोट : मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो और नाम/पता/व्हाट्सएप अवश्य भेंजे

BUNDELA DANCE ACADEMY & TRAINING CENTER
DANCE CATEGORY
BOLLYWOOD
FOLK, WESTERN
PUNJABI, ETC.
HEMANT SIR (HERRY)
DIRECTOR & CHOREOGRAPHER
EVENTS-
ANNUAL FUNCTION
LADIES SANGEET
& MORE EVENTS.
Bundeladanceacademy21@gmail.com
+91 76102 59356, 88785 58898
TANSEN NAGAR, NEAR RELIANCE TOWER, HAZIRA GWALIOR

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478